राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 21 जनवरी 2026

वर्ष 14,अंक 273, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

मलिहाबाद तेज रफ्तार पिकअप ने सवारी से भरे ई- रिक्शा में मारी टक्कर..03

डंपर खराब होने से लगा पांच किलोमीटर लंबा जाम..04

तीसरे विश्व युद्ध के लिए भारत तैयार: हाई टेक हथियारों से लैस होना जरूरी, रक्षा बजट में क्या होगा खास?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। देश का 2026-27 का आम बजट ऐसे समय में आने जा रहा जब वर्तमान वैश्विक व्यवस्था वस्तुतः द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे तीव्र अस्थिरता, अनिश्चितता ही नहीं बल्कि गंभीर सुरक्षा तथा सैन्य खतरों से रूबरू हो रही है। उथल-पुथल के ऐसे दौर में भारत जैसे उभरती वैश्विक ताकत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा केवल अपनी सीमाओं की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं रह गई है।

वैश्विक अस्थिरता में भारत की बहुआयामी रक्षा चुनौतियां

पड़ोसी देशों के साथ जटिल संबंधों तथा लंबी समुद्री सीमाएं भारत की बढ़ती रक्षा जरूरतों को अपरिहार्य बना रही हैं। युद्ध के बदलते स्वरूप तथा तीव्र आधुनिक टेक्नोलॉजी पर आधारित हथियारों-उपकरणों ने देश की रक्षा चुनौतियां को बहुआयामी बना दिया है। ऐसे में तात्कालिक रक्षा उपकरणों-हथियारों की खरीद तथा तकनीकी अपग्रेडेशन ही इन बहुआयामी चुनौतियों का समाधान नहीं है बल्कि आधुनिकीकरण के साथ सेनाओं को नए दौर के वारफेयर से लैस करना जरूरी हो गया है। पारंपरिक से हाइब्रिड युद्ध के खतरे आपरेशन सिंदूर, अमेरिका का ईरान पर हमला या फिर रूस-यूक्रेन तथा गाजा में इजरायल-हमास के ताजा युद्धों ने साबित किया है कि अब निर्णायक जंग आकाश में ही लड़े जाएंगे।

चीन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास, आधुनिक हथियारों की तैनाती और साइबर व अंतरिक्ष वार फेयर क्षमताओं में निवेश तो दूसरी ओर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और छदम युद्ध की रणनीति में अब ड्रोन-यूएवी तथा साइबर वार की चुनौतियां जटिलता बढ़ा रही हैं। हिंद महासागर समेत समुद्री क्षेत्र में चीन की बढ़ती नौसैनिक उपस्थिति, रणनीतिक बंदरगाहों में निवेश और समुद्री मार्गों पर आधिपत्य स्थापित करने की उसकी कोशिशें भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती के रूप में उभरी है।

सेनाओं को आधुनिक हथियारों और तकनीक से लैस करना अनिवार्य

ऐसे में साफ है कि सेना, नौसेना और वायुसेना को इन चुनौतियों के लिहाज से आधुनिक बनाए जाने की जरूरत है। आधुनिकीकरण और हथियारों का गैपभारत की सशस्त्र सेनाएं संख्या की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल हैं, लेकिन आधुनिक युद्ध की आवश्यकताओं के संदर्भ में कई स्तरों पर क्षमताओं का अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। थल सेना को आधुनिक एयर डिफेंस, उन्नत टैंक और नेटवर्क आधारित युद्ध प्रणालियों की आवश्यकता है। वायुसेना लंबे समय से लड़ाकू विमानों के बेड़े में कमी से जूझ रही है।

इस दिशा में 114 नए राफेल लड़ाकू जेट खरीदने की प्रक्रिया अब आगे बढ़ती दिख रही है। नौसेना के लिए जरूरी युद्धपोतों-पनडुब्बियों के निर्माण की परियोजनाएं चल रही है मगर इन्हें गति देने की जरूरत है। आधुनिक युद्ध में साइबर स्पेस, अंतरिक्ष और इलेक्ट्रानिक वार फेयर की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्वचालित हथियार प्रणालियां युद्ध की प्रकृति को बदल रही हैं।

ऐसे में इन क्षेत्रों में रक्षा बजट का पूंजीगत निवेश बढ़ाना जरूरती है ताकि भविष्य की चुनौतियों का सामना प्रभावी ढंग से किया जा सके। तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण के लिए संयुक्त थिएटर कमांड बनाने की योजना को धरातल पर गति दिया जाना जरूरी है और अब इसे बजट तथा प्रशासनिक बाधाओं के दायरे से बाहर निकालना जरूरी है। रक्षा पर खर्च करने वालों में भारत दुनिया के पांच देशों में शामिल है मगर फिर भी चीन, अमेरिका और रूस की तुलना में यह बेहद कम है। वर्ष 2025-26 बजट में 6.81 लाख करोड़ रुपए रक्षा आवंटन था जो 2024-25 के मुकाबले करीब साढ़े नौ फीसद अधिक था मगर इसमें पूंजीगत आवंटन की हिस्सेदारी 1.81 लाख करोड़ रूपए ही थी।

पूंजीगत आवंटन के बारे में पूछे जाने पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पिछले हफ्ते ही कहा था कि रक्षा खरीद की प्राथमिकताओं में फंड का कोई अवरोध नहीं आएगा सरकार ने इस बारे में सेनाओं को आश्वस्त किया है।

रक्षा आत्मनिर्भरता और थिएटर कमांड का एकीकरण महत्वपूर्ण

रक्षा आत्मनिर्भरता रक्षा विशेषज्ञ रिटायर मेजर जनरल जेकेएस परिहार कहते हैं, 'स्वदेशी हथियारों की सबसे बड़ी परीक्षा उनकी समय पर उपलब्धता और कसौटी पर खरा उतरने की है। मौजूदा परिदृश्य में आत्मनिर्भरता की नीति और जमीनी हकीकत के बीच अंतर को पाटना होगा। रक्षा पूंजीगत आवंटन में बड़ी वृद्धि इसके लिए जरूरी है क्योंकि रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा वेतन-पेंशन में जाता है। रक्षा बजट में बेशक हर वर्ष बढ़ोतरी होती है मगर यह सालाना मुद्रास्फीति के समायोजन के आस-पास ही रहती है और सैन्य आधुनिकीकरण को जिस गति से बढ़ाना है उसके लिए यह आवंटन पर्याप्त नहीं होते।' सेनाओं को आधुनिकीकरण की गति बढ़ाने पर जोर देते हुए मेजर जनरल परिहार कहते हैं, 'रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास तथा आपरेशन सिंदूर से साफ है कि भविष्य में हाई इनटेनसिटी वाले छोटे युद्ध, मध्यम अवधि तथा दीर्घकाल की चार-पांच साल तक चलने वाली जंग होंगे जिसके लिए सेनाओं को तैयारी रखना होगा।

रक्षा बजट को जीडीपी के कम से कम तीन प्रतिशत के स्तर पर लाया जाए और राजस्व खर्च को पूंजीगत खर्च से अलग किया जाए।' जाहिर तौर पर वित्तमंत्री से सेनाओं की अपेक्षा रहेगी कि देश की सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर रक्षा बजट का आवंटन निर्णायक रूप से बदलवकारी मार्ग की ओर ले जाए।

बरेली: ख़ाली घर को मदरसे में बदलने का आरोप, मकान मालकिन बोलीं- दी थी नमाज़ की इजाज़त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- उत्तर प्रदेश के बरेली ज़िले के मोहम्मदगंज नामक छोटे-से गांव में उस वक्त विवाद खड़ा हो गया जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें कुछ लोग एक घर में नमाज़ अदा करते हुए दिखाई दे रहे हैं. यह घटना 16 जनवरी की बताई जा रही है. रविवार (18 जनवरी) को वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने एहतियातन कार्रवाई करते हुए वीडियो में दिख रहे कम से कम 12 लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 170 के तहत मामला दर्ज किया. पुलिस हिरासत में लिए गए इन 12 लोगों की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एक छोटे से धार्मिक आयोजन पर की गई कथित सख़्त पुलिस कार्रवाई को लेकर आलोचना तेज़ हो गई. बाद में हिरासत में लिए गए लोगों को मजिस्ट्रेट द्वारा जमानत दे दी गई. इस बीच यह अटकलें भी लगाई गई कि वीडियो में दिख रहे लोग कथित तौर पर किसी निजी संपत्ति पर नमाज़ अदा कर उसे कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे. हालांकि, जिस घर की छत पर नमाज़ अदा की गई, अब उसकी मालकिन ने सामने आकर इन आरोपों को खारिज किया है. उस संपत्ति की मालकिन रेशमा ने कहा है कि

उन्होंने स्थानीय लोगों को अपने घर में नमाज़ पढ़ने की अनुमति दी थी. उन्होंने कहा, 'यहां कोई दूसरी जगह नहीं है और यह घर खाली पड़ा था. आमतौर पर जिन परिवारों ने गांव छोड़ दिया है, उनके खाली घरों में लोग नमाज़ अदा कर लेते हैं. लेकिन अब मुझ पर दबाव बनाया जा रहा है कि मैं अपने घर में नमाज़ न पढ़ने दूं.' रेशमा के पति नहीं हैं और उनके पांच बच्चे हैं।

तीस साल पुराना है विवाद

हालांकि, इस विवाद की पृष्ठभूमि करीब 30 साल पुराने घटनाक्रम से जुड़ी बताई जा रही है. मार्च 1995 में मोहम्मदगंज गांव के कुछ लोगों ने बरेली के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से शिकायत की थी कि मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग ग्राम सभा की ज़मीन पर नमाज़ अदा करने की कोशिश कर रहे हैं. गांव के बुज़ुर्गों का अब कहना है कि उस समय विवाद को सुलझाने के लिए इस बात पर आपसी सहमति बनी थी कि भविष्य में गांव में न तो मंदिर बनाया जाएगा और न ही मस्जिद. ताज़ा मामले में रेशमा के घर की छत पर नमाज़ अदा करने के वीडियो को स्थानीय प्रशासन के साथ साझा किया गया. इसके साथ शिकायत भी दी गई, जिसमें दावा किया गया कि इस घर को मदरसे में तब्दील किया जा रहा है. पुलिस ने इसी शिकायत के आधार पर कार्रवाई की. गांव के रहने वाले तारिक खान बताते हैं, 'कुछ परिवार विदेश चले गए हैं. उनके घर खाली पड़े हैं. हम नमाज़ पढ़ने से पहले उनसे इजाज़त लेते हैं.' तारिक उन लोगों में शामिल थे, जो वीडियो में नमाज़ अदा करते नजर आ रहे थे. उनके खिलाफ भी कार्रवाई की गई है. उधर, बरेली पुलिस का कहना है कि तहसील दिवस के दौरान उन्हें स्थानीय ग्रामीणों से शिकायत मिली थी, जिसके बाद शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियातन कार्रवाई की गई. बरेली की अपर पुलिस अधीक्षक अंशिका वर्मा ने कहा, 'उन्हें शांति बनाए रखने के लिए बंद किया गया था. वे सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना उसे मदरसे में बदलने की कोशिश कर रहे थे. दूसरे समुदायों की ओर से इस पर आपत्ति जताई गई थी. इसी वजह से उन्हें थाने लाया गया और चालान किया गया।'

कर्नल सोफिया क़ुरैशी पर टिप्पणी: कोर्ट ने मंत्री के ख़िलाफ़ केस शुरू करने की मंज़ूरी में देरी पर सवाल उठाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश सरकार से कहा कि वह भाजपा नेता और राज्य मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की अनुमति देने पर दो हफ्ते के भीतर फैसला करे. मामला कर्नल सोफिया कुरैशी को कथित रूप से निशाना बनाने वाली उनकी टिप्पणियों से जुड़ा है. मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बताया कि अदालत द्वारा मई में गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) अपनी रिपोर्ट दाखिल कर चुकी है और अब राज्य सरकार से अभियोजन की मंजूरी का इंतज़ार किया जा रहा है. अदालत ने स्पष्ट किया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 के तहत, जो सांप्रदायिक घृणा और वैमनस्य फैलाने से जुड़े अपराधों से संबंधित है, किसी भी कार्रवाई के लिए राज्य सरकार की मंजूरी ज़रूरी है. यह मामला 13 मई को मध्य प्रदेश के महू में आयोजित एक कार्यक्रम में विजय शाह द्वारा दिए गए बयान से जुड़ा है. उस कार्यक्रम में शाह ने कहा था कि जिन्होंने 'भारत की बेटियों को विधवा किया', उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'उनकी ही बिरादरी की बहन को भेजकर' सबक सिखाया है. उन्होंने यह टिप्पणी तुरंत दोहराई भी थी. हालांकि, शाह ने किसी का नाम नहीं लिया था, लेकिन विपक्षी दलों का आरोप है कि यह बयान कर्नल सोफिया कुरैशी की ओर इशारा करता है. कर्नल कुरैशी 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़ी मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ताओं में से एक रही हैं।

14 मई 2024 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने

इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था. हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि मंत्री की टिप्पणी 'किसी और की नहीं बल्कि' कर्नल कुरैशी की ओर ही संकेत करती है. इसके बाद शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया. उन पर भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने, समुदायों के बीच सौहार्द बिगाड़ने और ऐसे बयान देने का आरोप है, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव प्रभावित हो सकता है. इस कार्रवाई के बाद विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया. इससे पहले 13 मई को उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा था कि उनकी टिप्पणी को 'किसी दूसरे संदर्भ में' नहीं देखा जाना चाहिए।

शाह ने कहा था कि अगर उनकी टिप्पणी से 'समाज और धर्म' को ठेस पहुंची है तो वे 'दस बार' माफी मांगने को तैयार हैं. अगले दिन उन्होंने एक और बयान जारी कर कहा कि वे अपनी टिप्पणी को लेकर 'शर्मिंदा और दुखी' हैं और कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना की. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 19 मई को उनकी माफी को स्वीकार करने से इनकार करते हुए मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम गठित कर दी थी. अदालत ने शाह की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश भी दिया था. अगस्त में एसआईटी ने राज्य सरकार को मंत्री के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने का प्रस्ताव भेजा था. लेकिन अब तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया।

सोमवार की सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता श्रीधर पोत्तराजू से कहा, 'हम अब जनवरी 2026 में हैं.' इसके जवाब में पोत्तराजू ने कहा कि मंजूरी में देरी की एक वजह यह हो सकती है कि शाह की एफआईआर रद्द करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है. वहीं, विजय शाह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मनींदर सिंह ने अदालत को बताया कि मंत्री माफी मांग चुके हैं और जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं. इस पर जस्टिस कांत ने टिप्पणी की, 'आप जांच में सहयोग करते रहिए.' सुप्रीम कोर्ट ने यह भी नोट किया कि अब तक रिकॉर्ड पर कोई औपचारिक माफी दाखिल नहीं की गई है. अदालत ने कहा, 'अब माफी देने में बहुत देर हो चुकी है.' पीठ ने यह भी याद दिलाया कि वह पहले ही इस तरह की माफियों पर अपनी राय जता चुकी है. 13 मई की पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने शाह की टिप्पणियों को 'अशोभनीय' और 'पूरी तरह से बिना सोचे-समझे दिया गया' बताया था और उनकी सार्वजनिक माफी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था. सोमवार को अदालत ने यह भी कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट में शाह द्वारा पहले भी दिए गए कुछ अन्य कथित आपत्तिजनक बयानों का ज़िक्र है. कोर्ट ने जांच टीम को निर्देश दिया है कि इन मामलों में प्रस्तावित कार्रवाई पर अलग से रिपोर्ट दाखिल की जाए।

संक्षिप्त ख़बरें

उन्नाव पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के केस में कुलदीप सेंगर को हाईकोर्ट से राहत नहीं

नई दिल्ली- दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार (19 जनवरी) को उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से संबंधित मामले में उत्तर प्रदेश के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को राहत देने से इनकार कर दिया. जस्टिस रविंदर दुदेजा ने कहा कि कुलदीप सिंह सेंगर ने हालांकि 10 साल की कुल सज़ा में से 7.5 साल जेल में बिताए हैं और इस मामले में दोषसिद्धि के ख़िलाफ़ उनकी अपील पर फैसला करने में देरी हुई है, फिर भी उन्हें इस 'देरी के आधार पर' राहत नहीं दी जा सकती, क्योंकि यह देरी आंशिक रूप से सेंगर द्वारा दायर की गई कई याचिकाओं के चलते ही हुई है. हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि अब इस अपील पर केवल गुण-दोष के आधार पर जल्द-से-जल्द सुनवाई होनी चाहिए. पीठ ने याचिका यह कहते खारिज कर की कि सेंगर के आपराधिक इतिहास और मामले की परिस्थितियों में ऐसा कोई नया बदलाव नहीं आया, जिसके आधार पर उन्हें राहत दी जा सके. अदालत ने कहा कि आरोपी के पिछले रिकॉर्ड और अपराध की गंभीरता को देखते हुए उन्हें फिलहाल कोई राहत नहीं दी जा सकती. कोर्ट ने निर्देश दिया कि मुख्य अपील पर त्वरित गति से सुनवाई की जाए ताकि मामले का अंतिम निपटारा हो सके. मालूम हो कि इससे पहले सेंगर ने जून, 2024 में भी अपनी सज़ा निलंबित करने को लेकर अदालत का दरवाज़ा खटखटाया था, जिसे कोर्ट द्वारा नामंज़ूर कर दिया गया था. यह उनकी राहत पाने की दूसरी कोशिश थी. इस मामले में पीड़िता का आरोप था कि 3 अप्रैल, 2018 को उनके पिता को कथित तौर पर अवैध हथियार मामले में फंसाया गया और पुलिस द्वारा उन्हें कुलदीप सिंह सेंगर के इशारे पर गिरफ्तार किया गया. कुछ दिनों बाद 29 अप्रैल, 2018 को न्यायिक हिरासत में उनकी मौत हो गई थी. दिल्ली उच्च न्यायालय ने मार्च 2020 में पूर्व भाजपा विधायक सेंगर, उनके भाई एवं पांच अन्य को पीड़िता के पिता की न्यायिक हिरासत में मौत की साजिश रचने का दोषी ठहराया था और उन्हें दस साल की कैद की सजा सुनाई गई थी. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अगस्त, 2019 में इस मामले से जुड़े सभी पांच केस उत्तर प्रदेश से दिल्ली ट्रांसफर कर दिए गए थे. 20 दिसंबर, 2019 को सेंगर को 2017 में नाबालिग से बलात्कार करने के एक अलग मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी. इस सज़ा को पिछले महीने दिल्ली हाईकोर्ट ने निलंबित करते हुए सेंगर को ज़मानत दे दी थी, जिसका व्यापक पैमाने पर विरोध देखने को मिला था. इसके बाद 29 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी थी. तब अदालत ने कहा था कि इस मामले की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए अभियुक्त को रिहा नहीं किया जा सकता।

सेंट्रल फोर्स की तैनाती... बेलडांगा में हिंसा पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने जताई चिंता, कहा- केंद्र करेगी NIA जांच का फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में हिंसा को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने चिंता जताई है. कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पाल और जस्टिस पार्थसारथी सेन की डिवीजन बेंच ने बेलडांगा में सेंट्रल फोर्स की तैनाती का आदेश दिया है. DM, SP को भी हालात नॉर्मल रखने के लिए एक्शन लेने का निर्देश दिया गया है. मुर्शिदाबाद में पहले से ही फोर्स की 5 कंपनियां हैं. चीफ जस्टिस ने कहा कि उन फोर्स को जान और रोजी-रोटी की रक्षा और हालात से निपटने के लिए तैनात किया जाना चाहिए. अगर फोर्स कम हैं, तो कोर्ट की राज्य को सलाह है कि केंद्र और फोर्स की मंजूरी दे. वादी ने आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद में सेंट्रल फोर्स की मौजूदगी के बावजूद अशांति के दौरान उनका इस्तेमाल नहीं किया गया, बल्कि बाद में किया गया. कोर्ट ने अब राज्य CAPF के इस्तेमाल का आदेश दिया है. इस मामले में एक अहम मुद्दा NIA जांच की मांग थी।

केंद्र को NIA से जांच कराने की पूरी आजादी

वादी के मुताबिक, उन्होंने दावा किया कि देश की शांति खत्म करने के लिए विदेशों से पैसे भेजे जा रहे हैं या नहीं, इसकी जांच के लिए NIAजांच की जरूरत है. जज ने आदेश दिया है कि अगर केंद्र को NIAसे जांच करवाना जरूरी लगता है, तो उन्हें पूरी आजादी होगी. कलकत्ता हाई कोर्ट में सोमवार, 19 जनवरी को दो जनहित याचिकाएं दायर की गई, जिसमें बेलडांगा में

सेंट्रल फोर्स तैनात करने की मांग की गई. मंगलवार को वादी के वकील ने कोर्ट को बताया कि मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में विरोध के नाम पर कई प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाया गया है. रेलवे की प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाया गया है. पत्रकारों को पीटा गया है. नेशनल हाईवे को ब्लॉक करके दंगा किया जा रहा है. उन्होंने कोर्ट का ध्यान इस ओर दिलाया और कहा कि पुलिस सुपरिंटेंडेंट ने भी माना है कि पूरा हंगामा पहले से प्लान था. हालांकि, उनका कहना है कि किसी की भावना को ठेस नहीं पहुंचाई जा सकती।

सेंट्रल फोर्स का इस्तेमाल नहीं करने का आरोप

वादी ने पिछली घटनाओं का हवाला देते हुए कोर्ट को बताया कि पिछले साल जुलाई में भी ऐसी ही एक घटना में सेंट्रल फोर्स तैनात की गई थी. मुर्शिदाबाद में फोर्स हैं, लेकिन वादी का आरोप है कि हालांकि राज्य उनका इस्तेमाल नहीं कर रहा है. शमसेरगंज और धुलियान में फोर्स तो है, लेकिन बेलडांगा में उनका इस्तेमाल नहीं किया गया. शिकायत करने वाले का आरोप है कि बेलडांगा में पुलिस का इस्तेमाल नहीं किया गया. उनकी दलील थी कि बेलडांगा में इंडियन पीनल कोड का सेक्शन 163 (सेक्शन 144) लगाया जाना चाहिए. उस समय, राज्य की ओर से पेश हुए वकील प्रभयन बनर्जी ने कहा, इससे पहले मुर्शिदाबाद की घटना में 500 लोगों को गिरफ्तार किया गया था. बेघर हुए लोगों को उनके घर वापस भेज दिया गया है. फिर जज ने पूछा, अब क्या इंतजाम किए गए हैं? राज्य ने जवाब दिया, हमने एडमिनिस्ट्रेटिव तौर पर सारे फैसले ले लिए हैं. पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई थी।

बेलडांगा हिंसा मामले में 31 अरेस्ट

फिर चीफ जस्टिस ने पूछा, क्या वह घटना शुक्रवार को हुई थी? राज्य की ओर से पेश हुए वकील कल्याण बनर्जी ने घटनाओं का क्रम बताते हुए कहा, हां, शुक्रवार को झारखंड में अलाउद्दीन की मौत हो गई थी. दोपहर करीब 12.15 बजे एक पत्रकार को पीटा गया था. फिर स्थिति को काबू में किया गया. उन्होंने कहा, 31 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस स्टेशन में चार केस दर्ज किए गए हैं. CAPF कैंप की 5 कंपनियां हैं और राज्य का दावा है कि उनका भी इस्तेमाल किया गया है और सेंट्रल फोर्स के जवान इलाके में पेट्रोलिंग कर रहे हैं. बेलडांगा में हालात अब नॉर्मल हैं, मार्केट खुल गया है, राज्य ने जानकारी दी है. उस समय, चीफ जस्टिस ने कहा कि CAPF वहां पहले से ही तैनात है. उस फोर्स का इस्तेमाल जान-माल की हालत को कंट्रोल करने के लिए किया जाना चाहिए. अगर फोर्स कम है, तो केंद्र को और फोर्स की मंजूरी देनी चाहिए।

'बैलेट पेपर से डरती है सरकार, कांग्रेस को हरा रहा चुनाव आयोग'... नाना पटोले का BJP पर बड़ा हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नाना पटोले ने बीजेपी पर बड़ा हमला बोला है. पटोले ने कहा कि एक चुनाव बैलेट पेपर पर कर लीजिए फिर देखिए क्या होता है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बीजेपी नहीं बल्कि चुनाव आयोग हरा रहा है. पटोले ने कहा कि जंगल वाला नक्सल खत्म हो गया है. उन्हें जो मदद मिल रही है, उस बारे में सरकार कुछ नहीं कर रही. पटोले ने कहा कि अगर अर्बन नक्सल की बात करें तो सरकार ने जन सुरक्षा कानून लाया है, जिसके चलते लोगों को अर्बन नक्सल घोषित करके उन पर कार्रवाई कर सकते हैं. शहरी नक्सली मूवमेंट बढ़ने का मकसद क्या है. सरकार का क्या मकसद है यह वो स्पष्ट करे।

अजित और शिंदे पर भाजपा का दबाव- नाना

वहीं, AIMIM को लेकर नाना पटोले ने कहा कि कोई भगवे की बात करता है. कोई हरे रंग की बात करता है. हम तिरंगे की बात करते हैं तिरंगा हमारा सम्मान है. एकनाथ शिंदे को लेकर पटोले ने कहा कि दबाव की राजनीति शुरू है. होटल में नगरसेवक को रखा गया है तो भाजपा का दबाव होगा. एकनाथ शिंदे पर दबाव है. अजित पवार और एकनाथ शिंदे पर भाजपा का दबाव है।

'शिंदे को डर था इसलिए पार्षदों को होटल में रखा'

नाना ने आगे कहा कि मंत्रालय की सभी फाइल सीएम ऑफिस से होकर जाती है. उन्होंने आगे कहा कि शिंदे को डर था इसलिए उन्होंने अपने पार्षद होटल में रखा था और अभी भाजपा का ही दबाव होगा इसलिए उन्होंने पार्षदों को घर जाने दिया है. वहीं, मेयर के मुद्दे पर कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी को रोकने के लिए अगर हमें उद्धव ठाकरे के साथ जाना पड़े तो हम जाएंगे।

'BJP को रोकने के लिए हम कुछ भी कर सकते'

यह फैसला दिल्ली आलाकमान करेगा पर बीजेपी को रोकने के लिए हम कुछ भी कर सकते हैं. पार्षद खरीदने पर उन्होंने कहा कि बीजेपी के पास पैसा है, पावर है, वह सब कुछ कर सकते हैं. बीजेपी सबसे भ्रष्ट पार्टी है. कुछ भी कर सकती है।

करौली में सट्टा किंग अमीनुद्दीन खान के घर चला बुलडोजर, 3 मंजिला बिल्डिंग ध्वस्त, तैनात रहे 500 जवान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजस्थान के करौली जिले में नव संवत्सर बाइक रैली के दौरान हुए पथराव व दंगे के मामले में पुलिस-प्रशासन ने अब कड़ा रुख अपनाया है. सट्टा किंग व दंगे के आरोपी अमीनुद्दीन खान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस-प्रशासन उसके अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया. 3 मंजिला बिल्डिंग को ध्वस्त करने की कार्रवाई मंगलवार सुबह 10:25 बजे से जारी है. इससे पहले नगर परिषद द्वारा संबंधित भवन का पट्टा और निर्माण स्वीकृति निरस्त की जा चुकी थी. कार्रवाई से पहले साफ कर दिया गया था कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने और नियमों की अनदेखी करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा. करौली शहर के अंबेडकर सर्किल क्षेत्र में स्थित आरोपी एवं पूर्व नगर सभापति के बेटे अमीनुद्दीन खान के अवैध भवन को मंगलवार को प्रशासन ने ध्वस्त करना शुरू कर दिया. नगर परिषद करौली द्वारा कराई गई जांच में भवन निर्माण में गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं, जिसके बाद संबंधित पट्टा और निर्माण स्वीकृति को विधिवत निरस्त कर दिया गया था. पट्टा निरस्तीकरण की प्रक्रिया पूर्ण होने के साथ ही प्रशासन ने अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई अमल में लाई. प्रशासन के अनुसार, आरोप है कि यह भवन सरकारी भूमि पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर और मंदिर के आवागमन मार्ग को हटाकर बनाया गया था. इस मुद्दे को लेकर बीते कई दिनों से शहर में आक्रोश व्याप्त था. विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने लगातार प्रदर्शन कर अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की मांग उठाई थी. कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की घटनाओं की स्थिति से निपटने के लिए पूरे करौली शहर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया. गणेश दरवाजा से अंबेडकर सर्किल तक का मार्ग पूरी तरह बैरिकेडिंग लगाकर बंद कराया गया. शहर के प्रमुख चौराहों, तिराहों और बाजार क्षेत्रों में करीब 500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया. पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की गई. मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिड़वाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम जाट, नगर परिषद कार्यवाहक आयुक्त प्रेमराज मीणा, एसडीएम प्रेमराज मीणा, डीएसपी अनुज शुभम, कोतवाली अधिकारी अध्यात्म गौतम, सदर थानाधिकारी यदुवीर सिंह, कुडगांव थानाधिकारी मंजू फौजदार, सूरौठ थानाधिकारी सोहन सिंह गुर्जर सहित कई थानों का भारी पुलिस बल मौजूद है. अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए 2 जेसीबी और 2 एलएंडटी मशीनें लगाई गईं, जिनकी मदद से भवन को हटाने की कार्रवाई की गई. यह कार्रवाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए की गई है. अवैध निर्माण, पट्टा नियमों के उल्लंघन और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शंकराचार्य स्नान विवाद : सन्तन के लच्छन रघुबीरा?

संगम नगरी प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या के मौके पर गंगा स्नान को लेकर ज्योतिष पीठ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के भक्तों और पुलिस के बीच जमकर बवाल हुआ। इसके बाद पुलिस ने उनके भक्तों को घसीटते हुए ले गई और शंकराचार्य को बिना स्नान किए वापस जाना पड़ा। अपने और अपने भक्तों के साथ हुई कथित अभद्रता के बाद अब शंकराचार्य अपने शिविर के बाहर धरने पर बैठ गए। शंकराचार्य ने कहा है कि जब तक पुलिस प्रशासन ससम्मान प्रोटोकॉल के साथ नहीं ले जाएगा तब तक गंगा स्नान नहीं करूंगा। आपको थोड़ा विस्तार से बता दें प्रयागराज के माघ मेले में मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब प्रशासन ने ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के काफिले को संगम तट पर जाने से रोक दिया। संगम पर भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने शंकराचार्य से उनके पालकी रथ से उतरकर पैदल आगे बढ़ने का अनुरोध किया था। शंकराचार्य के अनुयायी रथ के साथ ही आगे बढ़ना चाहते थे। इस दौरान पुलिस और समर्थकों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की हुई। आरोप है इस व्यवहार से नाराज होकर शंकराचार्य ने संगम में स्नान करने से मना कर दिया और वहीं धरने पर बैठ गए। सवाल उठता है कि ऐसे भीड़ भरे माहौल में जहां करोड़ों लोग स्नान के लिए आ रहे हैं वहाँ पुलिस और प्रशासन के कंधों पर व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी है क्योंकि बीते साल इसी प्रयागराज में कुम्भ के मेले में तमाम सावधानी के बावजूद भगदड़ में बहुत से लोग अपनी जान गंवा बैठे थे ऐसे हालात को रोकने के लिए यदि प्रशासन किसी सम्मानीय शंकराचार्य से कर जोड़ कर विनती करता है कि आप मात्र पांच सौ कदम पालकी रथ से उतर कर स्नान कर लीजिए और शंकराचार्य महोदय भीड़ नियंत्रण और व्यवस्था बनाए रखने की तमाम प्राथमिकता को दर किनार कर नदी तट तक अपने अनुयायियों समेत रथ में सवार होकर ही जाने की जिद पर उतर आएं तो इसे क्या कहेंगे? क्या कुछ कदम पैदल चलने मात्र से उनकी प्रतिष्ठा कम हो जाती? क्या शंकराचार्य के गरिमामयी पद पर भी वह अराजकता फैलाने की कोशिश में हैं? या जानबूझकर कर ऐसा हरकत करना चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और उनके पुलिस प्रशासन को घेर कर चर्चा में आने की जुगत की जाए? क्या यही एक धर्म गुरु शंकराचार्य का आचरण है? अब आपको उस सनातन संस्कृति और सभ्यता का हवाला देते हैं जिसके पावन पुनीत ग्रंथ रामचरितमानस में लिखा है संतन्ह के लच्छन रघुबीरा। कहहु नाथ भव भंजन भीरा॥

हे रघुवीर! हे भव-भय (जन्म-मरण के भय) का नाश करने वाले मेरे नाथ! अब कृपा कर संतों के लक्षण कहिए!... श्री रामजी ने कहा-

बिरति बिबेक बिनय बिग्याना। बोध जथारथ बेद पुराना॥

दंभ मान मद करहिं न काऊ। भूलि न देहिं कुमारग पाऊ॥3॥

भावार्थ - संत वैराग्य, विवेक, विनय, विज्ञान (परमात्मा के तत्व का ज्ञान) और वेद-पुराण का यथार्थ ज्ञान रहता है। वे दम्भ, अभिमान और मद कभी नहीं करते और भूलकर भी कुमार्ग पर पैर नहीं रखते हैं।

षट बिकार जित अनघ अकामा। अचल अकिंचन सुचि सुखधामा॥

अमित बोध अनीह मितभोगी। सत्यसार कबि कोबिद जोगी।। भावार्थ : वे संत (काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर- इन) छह विकारों (दोषों) को जीते हुए, पापरहित, कामनारहित, निश्चल (स्थिरबुद्धि), अकिंचन (सर्वत्यागी), बाहर-भीतर से पवित्र, सुख के धाम, असीम ज्ञानवान्‌, इच्छारहित, मिताहारी, सत्यनिष्ठ, कवि, विद्वान, योगी हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अहम प्रशासन की व्यवस्था को स्वीकार करने में आड़े आ रहा था या वह जानबूझकर टकराव की स्थिति पैदा करना चाहते थे। कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर जोगिंदर कुमार और डीएम मनीष कुमार वर्मा के मनाने के बाद भी जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद नहीं माने तो पुलिस ने बलपूर्वक उनको वहां से हटाना शुरू किया. इस दौरान साधु- संन्यासियों ने विरोध करना शुरू किया, जिससे बाद हाथापाई हो गई.पुलिस कर्मियों और साधुओं के बीच तीखी झड़प हुई. इसके बाद कुछ साधुओं को पुलिसकर्मियों ने घसीट कर वहां से हटा दिया. इस दौरान उनके अनुयायियों और पुलिस बल के बीच तीखी झड़प भी हुई. पुलिस ने कई अनुयायियों को हिरासत में भी लिया है.शंकराचार्य के अनुयायियों का आरोप है कि शंकराचार्य के रथ को पुलिस के जवानों ने सादी वर्दी में खींचकर संगम नोज से 1 किलोमीटर दूर छोड़ दिया. यह शंकराचार्य का अपमान है. इस तरह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बिना मौनी अमावस्या स्नान के ही वापस लौट गए. जिस समय पुलिस साधुओं को बल पूर्वक हटा रही थी शंकराचार्य काफी क्रोध में नजर आए. अविमुक्तेश्वरानंद ने मीडिया से कहा है कि पिछले 39 सालों से वह इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए मौनी अमावस्या का स्नान करते रहे हैं. शंकराचार्य होने के बाद गरिमा के अनुरूप उन्होंने पालकी पर सवार होकर संगम स्नान करते रहे हैं. शिविर से मुझे पुलिस अधिकारियों ने ही अपनी सुरक्षा में लेकर संगम नोज तक पहुंचाया था. मैं रथ पर इसलिए सवार होकर आया था कि यहां लाखों श्रद्धालु आए हैं. अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि अगर मैं पैदल जाता तो वह मुझे प्रणाम करने, मुझसे बात करने का प्रयास करते. ऐसे में भगदड़ मच सकती थी. मैं शंकराचार्य हूं और अपने गरिमा के अनुरूप ही पालकी से मौनी अमावस्या के स्नान के लिए जाना चाह रहा था. प्रशासन ने रोका है. यह उनसे पूछा जाना चाहिए कि यह किस नियम के विरुद्ध है.

उधर प्रयागराज की मंडल आयुक्त सौम्या अग्रवाल ने मामले पर मीडिया से बातचीत में कहा कि माघ मेले में पालकी- रथ से किसी भी साधु सन्यासी को संगम तक आने की अनुमति नहीं है. पूर्व में माघ मेले में ना ही इस तरह की कोई परंपरा रही है. शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने किसी तरह की परमिशन भी नहीं ले रखी थी.यहां पहुंचने के बाद मैंने और पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने उनसे बात की. उन्हें समझाने का प्रयास किया कि आप यहां तक आ ही गए हैं तो अब रथ से उतरकर संगम में जाकर स्नान कीजिए. उनसे बहुत मिन्नत की गई, लेकिन स्वामी जी पालकी और अपने 200 अनुयायियों के साथ संगम में स्नान करने की जिद पर अड़े रहे। पुलिस कमिश्नर जोगिंदर कुमार ने मीडिया को बताया कि संगम क्षेत्र में 452 सौ सीसीटीवी कैमरे लगे हैं उनकी जांच कराई जाएगी, जिसने वेरिफिकेशन तोड़ी है उसके खिलाफ हम कैसे रजिस्टर्ड करेंगे. मौनी अमावस्या के स्नान में लाखों श्रद्धालु इस वक्त संगम में स्नान कर रहे हैं लिहाजा सुरक्षा से किसी भी तरह की खिलवाड़ नहीं की जा सकती है. यह कानून का सीधा उल्लंघन है और लाखों श्रद्धालुओं की जान के साथ खिलवाड़ भी. इसमें सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है, प्राथमिकी दर्ज होगी. आपको बता दें कि मौनी अमावस्या के स्नान में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा रात तक 4 से 5 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान कर पुन्य अर्जित किया . मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। अब शंकराचार्य के मामले को लेकर विपक्षी भी मैदान में उतर आएं हैं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बीजेपी सरकार 'दिव्य-भव्य' के दावे से पहले 'सभ्य' बने। अखिलेश यादव ने ‘एक्स’ पर कहा, ‘सदियों से चली आ रही शाही-स्नान की अखंड सनातनी परंपरा में गत वर्ष भी इसी सरकार द्वारा विघ्न डाला गया था। प्रश्न ये है कि ऐसी घटनाएं बीजेपी की सरकार में ही क्यों हो रही हैं। मौनी अमावस्या का शाही-स्नान क्या पहली बार हो रहा है? इस अवस्था के लिए बीजेपी का कुशासन और नाकाम व्यवस्था ही दोषी है। सवाल फिर वही है कि आज के दौर में धार्मिक गुरु भी राजनीतिक खेमेबाजी फर्जी अभिमान और अहंकार से ग्रस्त हैं शंकराचार्य जैसे गरिमामयी पदवी पर विराजमान होकर भी यदि हम सांसारिक मद मान पर नियंत्रण नहीं कर पाए तो समाज को संयम सदाचार का पाठ कैसे पढ़ाएंगे? बहरहाल हमारा तो यही सुझाव है कि माननीय शंकराचार्य राजनीतिक पूर्वाग्रह दुराग्रह से बाहर निकल रामचरितमानस की पंक्तियों पर चिंतन करें- संत हृदय नवनीत समाना और संत हृदय जस निर्मल बारि को चरितार्थ करें।

मनोज कुमार अग्रवाल

गिग वर्कर्स का दर्द : 10 मिनट की डिलीवरी, 24 घंटे का संघर्ष

डिजिटल इंडिया और ऐप-आधारित सुविधाओं के दौर में हमारी जिन्दगी जितनी तेज और आरामदेह हुई है, उतनी ही असुरक्षित हो गई है उन लोगों की, जो इस सुविधा को संभव बनाते हैं। मोबाइल स्क्रीन पर 10 मिनट की डिलीवरी का दावा जितना आकर्षक लगता है, उसके पीछे छिपा सच उतना ही कड़वा है - गिग वर्कर्स का दर्द। यही वे लोग हैं, जिनकी मेहनत, जोखिम और समय के बल पर हमारी 'कन्वीनियंस' चलती है। हाल ही में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने इस दर्द को समझने के लिए एक अनोखी पहल की। 12 जनवरी, 2026 को वे स्वयं ब्लिंकिट की यूनिफॉर्म पहनकर एक दिन के लिए डिलीवरी एजेंट बने और दिल्ली की सड़कों पर ऑर्डर पहुंचाएं। यह कदम केवल प्रतीकात्मक नहीं था, बल्कि उस जमीनी हकीकत को महसूस करने की कोशिश थी, जिसे अक्सर वातानुकूलित दफ्तरों और संसद की बहसों में अनदेखा कर दिया जाता है। इससे पहले राघव चड्ढा की मुलाकात हिमांशु नाम के एक डिलीवरी बॉय से हुई थी, जिसने 15 घंटे काम कर मात्र 763 रुपये कमाए थे। यह आंकड़ा किसी एक व्यक्ति की कहानी नहीं है, बल्कि गिग इकॉनमी में काम कर रहे लाखों युवाओं की सामूहिक पीड़ा का प्रतीक है। न तय वेतन, न स्थायी नौकरी, न सामाजिक सुरक्षा। इन वर्कर्स की पूरी जिन्दगी 'आज काम मिला तो कमाई, नहीं मिला तो शून्य' के भरोसे चलती है। गिग इकॉनमी ने रोजगार के नए रास्ते खोले हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। लेकिन यह रोजगार किस कीमत पर? ब्लिंकिट, स्विगी, जोमैटो, उबर, ओला जैसे प्लेटफॉर्म्स पर काम करने वाले लोग कर्मचारी नहीं कहलाते, बल्कि 'पार्टनर' या 'डिलीवरी एजेंट' कहे जाते हैं। इस शब्दावली के पीछे एक बड़ी चाल छिपी है। कंपनियां श्रम कानूनों, बीमा, पेंशन और न्यूनतम मजदूरी जैसी जिम्मेदारियों से बच जाती हैं। सबसे चिंताजनक पहलू है '10 मिनट डिलीवरी' का दबाव। समय की इस अंधी दौड़ में सड़क सुरक्षा, स्वास्थ्य और जीवन का मूल्य गौण हो जाता है। तेज रफ्तार बाइक, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और लगातार बढ़ता मानसिक दबाव कई बार जानलेवा साबित होता है। हादसों में घायल या मारे गए डिलीवरी एजेंट्स की खबरें आती रहती हैं, लेकिन सिस्टम में कोई बुनियादी बदलाव नहीं दिखता। गिग वर्कर्स केवल शारीरिक जोखिम ही नहीं उठाते, बल्कि मानसिक तनाव से भी जूझते हैं। ऐप की रेटिंग, एल्गोरिदम द्वारा तय होता काम, ऑर्डर कैंसिल होने पर जुर्माना और अकाउंट सस्पेंड होने का डर। ये सब उन्हें एक अदृश्य नियंत्रण में जकड़े रखते हैं। वे अपनी बात रखने या संगठित होकर विरोध करने की स्थिति में भी नहीं होते। सोशल मीडिया पर राघव चड्ढा की पहल को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आईं। कुछ ने इसे राजनीतिक स्टंट कहा, तो कईयों ने इसे जरूरी और संवेदनशील कदम माना। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि यह स्टंट था या नहीं; असली सवाल यह है कि क्या इससे गिग वर्कर्स के मुद्दे पर गंभीर बहस शुरू होती है या नहीं। अगर ऐसी पहलें नीति-निर्माण को प्रभावित करती हैं, तो उनका महत्व स्वतः सिद्ध हो जाता है। आज जरूरत है कि गिग वर्कर्स को 'अदृश्य श्रमिक' नहीं, बल्कि औपचारिक श्रम शक्ति के रूप में मान्यता दी जाए। न्यूनतम आय की गारंटी, स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा, सामाजिक सुरक्षा और काम के घंटे तय करना। ये सब अब टाले नहीं जा सकते। गिग इकॉनमी का भविष्य तभी टिकाऊ होगा, जब उसमें काम करने वाले लोगों का भविष्य सुरक्षित होगा। गिग वर्कर्स का दर्द दरअसल हमारे विकास मॉडल पर एक गंभीर सवाल है। अगर हमारी सुविधा की कीमत किसी और की असुरक्षा और जान से चुकाई जा रही है, तो उस सुविधा पर पुनर्विचार जरूरी है। 10 मिनट की डिलीवरी के पीछे छिपा 24 घंटे का संघर्ष अब अनदेखा नहीं किया जा सकता।

कृष्ण कुमार

जनसंख्या और उपलब्ध संसाधनों के समुचित संतुलन की अग्नि परीक्षा

जनसंख्या के चतुराई से उपयोग की दरकार।

भारत अनुमानित तौर पर एक सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश बन गया है और सबसे ज्यादा युवा जनसंख्या वाला भी देश होगा ।अब समय आ गया है जब देश की सरकार और समूचे जनसंख्या प्रबंधन की इकाइयों को सक्रिय होकर बढ़ती जनसंख्या और उपलब्ध संसाधनों के बीच सामयिक संतुलन बनाकर बड़ी जनसंख्या को बोझ न मानकर एक शक्ति के रूप में स्थापित कर इसका सर्वाधिक दोहन राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए निहित करे। निश्चित तौर पर यह हम पर है कि हमारी युवा जनसंख्या का उपयोग हम सही तरीके से विकास की गति के साथ साथ तालमेल बिठाकर इसे राष्ट्र के विकास के श्रोत की तरह विकसित करें भारत की युवा और दिवा शक्ति के माध्यम से साइंस, टेक्नोलॉजी,मेडिकल, सेना, कंप्यूटर साइंस और स्वयं के उद्यम से वैश्विक स्तर पर भारत को अग्रणी देश बनाने का प्रयास किया करें अब इस विशाल जनसंख्या का सीमित संसाधन पर कितना दबाव होगा, आप ये कल्पना कर सकते हैं। बहुत अधिक जनसंख्या देश में अनेक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक समस्याओं को जन्म भी देती है। वर्तमान में भारत 142करोड़ जनसंख्या (अनुमानित) के साथ विश्व में अनुमानित तौर पर दूसरे नंबर पर है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1989 से 11 जुलाई को हर वर्ष जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता है पर जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियोजन पर भारत जैसे देश में कोई भी योजना नहीं बनती है। यही जनसंख्या बढ़ चुकी है और भारत में युवा जनसंख्या 55% से ज्यादा है तो इसका सकारात्मक उपयोग ही किया जाना युक्ति युक्त होगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से भारत की जनसंख्या बाजार की ताकत है पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या विकास के लिए बड़ी बाधक भी है। अधिक जनसंख्या के दबाव में सीमित संसाधन छिन्न-भिन्न हो जाते हैं आम जनता को उनकी मूल जरूरतों की आवश्यक वस्तुएं नहीं मिल पाती और यदि मिलती भी है तो बहुत ऊंची दरों में या बहुत महंगाई के बाद।ऐसे में देश में अनेक समस्याएं पैदा होती है, और सबसे ज्यादा जनसंख्या के दबाव से विकास के लिए संकट खड़ा हो जाता है। विकास धीरे-धीरे मध्यम का अवरुद्ध हो जाता है। देश का आर्थिक नियोजन चरमराने लगता है।वर्ष 1951 से 81 के दशक को भारत की जनसंख्या की विस्फोटक अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु दर के तीव्र स्खलन और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ है। वर्ष 1921 तक की अवधि में भारत की जनसंख्या की वृद्धि स्थिर अवस्था में रही क्योंकि इस अवधि में जनसंख्या वृद्धि की दर काफी निम्न थी। 1981 से लगातार अभी तक जनसंख्या की दर बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा बढ़ती जनसंख्या के मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस स्लोगन 'परिवार नियोजन मानव का अधिकार' रखा गया है, ताकि बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न समस्याओं के प्रति जागरूक होकर लोगों द्वारा परिवार नियोजन पर उत्साहजनक जोर दिया जाए। यह स्लोगन यह संकेत करता है कि सुरक्षित एवं शैक्षिक परिवार नियोजन एक जिम्मेदार नागरिक का अधिकार है और यह सभी लोगों को सशक्त बनाएगा और देश में विकास की गति को तेज करने में सहायक भी होगा। भारत की जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बढ़ती जन्म दर और कम मृत्यु दर भी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश मैं बेरोजगारी गरीबी पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं चुनौती बनकर सामने आई जो समाज व्यक्ति और राष्ट्र सभी के विकास को अवरुद्ध करती है। हमारे पास उपलब्ध संसाधन इतनी बड़ी आबादी के लिए कतई पर्याप्त नहीं है। विकास और देश की समृद्धि के लिए जनसंख्या नियंत्रण एक आवश्यक अंग हो सकता है। कई यूरोपीय देशों ने अपनी बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों में उचित तालमेल हेतु परिवार नियंत्रण प्रणाली को का निर्णय लिया किंतु एक समय बाद वहां कार्यशील जनसंख्या की अपेक्षा वृद्धों की संख्या में वृद्धि हुई जिससे मानव संसाधन की समस्याएं उनके सामने आने लगी हैं। चीन में पहले जनसंख्या नियंत्रण किया गया था। सरकार ने वैधानिक रूप से एक या दो बच्चे पैदा करने की शर्तें लागू की थी, पर वहां बुजुर्गों, वृद्धों की संख्या में भारी वृद्धि होने के पश्चात चीन की सरकार ने ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपनी जनता से अपील की है।

जापान एक छोटा सा देश होने के बावजूद अपने सीमित संसाधनों के चलते अपने नवाचार तथा तकनीकी शक्ति के बल पर विकासशील देशों के समकक्ष खड़ा है। भारत जैसे विशाल देश में जहां बहुत बड़ी जनसंख्या भी है और विकास के लिए आवश्यक संसाधन भी हैं, विकास करने के लिए केवल विशाल जनसंख्या के साथ सामंजस्य बिठाने की आवश्यकता होगी। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के साथ-साथ उसके अनुपात में संसाधनों का संतुलन बना कर विकास की नई दिशा दी जा सकती है। संसाधनों की उचित दोहन हेतु सही और सटीक नीति तथा उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा नवाचार एवं उचित तकनीक प्रौद्योगिकी को भी अमल में लाना होगा।भारत विश्व का प्रथम देश है जिसने 1952 में परिवार नियोजन कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया इसका परिणाम भी अच्छा हुआ था कि पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या की वृद्धि में संतोषजनक गिरावट आई है। यह तो विदित है कि किसी भी राष्ट्र की संतुलित विकास की धारा तभी संभव है जब वहां के विकास में सहायक संसाधनों का संतुलन बना रहे। किसी एक घटक का संतुलन यदि गड़बड़ होता है तो विकास के लिए गंभीर समस्याएं जन्म लेना शुरू करती हैं। भारत की जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो दिन दूर नहीं जब संसाधनों की कमी से भारत को जूझना होगा फिर विकास की बात बेमानी हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य है कि व्यक्ति समाज सरकार और योजना कानों के मन में इस विषय से संबंधित समस्याओं के प्रति चेतना संवेदना जगाना ही है ताकि लोगों में बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी समस्याएं एवं अवरोधों के बारे में जागरूकता ज्यादा से ज्यादा विस्तारित हो।

भारत के पास विकास के सभी मापदंड होते हुए भी देश पिछड़ा हुआ है, भारत में तकनीकी का कम विकास, कमजोर शिक्षा ,परंपरागत स्रोत, कृषि का निम्न स्तर, आर्थिक असमानता जैसी अनेक समस्याएं हैं जो विकास मैं बाधक बनती रही है। वर्तमान में देश के पास प्राकृतिक एवं मानव संसाधन इतना है कि बढ़ती जनसंख्या की समस्याओं से आसानी से निपटा जा सके पर इस बात की अत्यंत आवश्यकता है कि संसाधनों का उचित दोहन तथा उसका सही उपयोग विकास की दिशा में भ्रष्टाचार से बचाकर किया जाए। यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि जनसंख्या की समस्या से निपटने तथा विकास की दर को बढ़ाने की जिम्मेदारी केवल शासन प्रशासन की ही नहीं है इसके लिए आम नागरिक भी जिम्मेदार है क्योंकि समस्याएं खड़ी करने में आमजन का एक बड़ा वर्ग भी है, इसीलिए हम सबको जनसंख्या नियंत्रण और विकास की धारा को सही दिशा प्रदान करने के लिए सक्रिय सहयोग देना होगा तब ही देश एक सशक्त राष्ट्र बन पाएगा।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

विकास के शिलान्यास से मोदी का चुनावी शंखनाद

सिंगूर से बदली बंगाल की सियासी हवा

पश्चिम बंगाल के लिए बीते 24 घंटे केवल सरकारी कार्यक्रमों या परियोजनाओं की घोषणाओं तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने राज्य की राजनीति, विकास की दिशा और आगामी चुनावी समीकरणों को एक नई गति दे दी। हुगली जिले के बालागढ़ और सिंगूर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया, उसने स्पष्ट संकेत दे दिया कि बंगाल अब केवल राजनीतिक संघर्ष का मैदान नहीं, बल्कि केंद्र सरकार के 'विकसित भारत' विजन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने जा रहा है। इन कार्यक्रमों ने न सिर्फ बुनियादी ढांचे से जुड़ी उम्मीदों को मजबूत किया, बल्कि चुनावी माहौल में भी नई हलचल पैदा कर दी।

प्रधानमंत्री मोदी का सिंगूर और बालागढ़ आना अपने आप में प्रतीकात्मक रहा। सिंगूर वही स्थान है, जो कभी औद्योगीकरण बनाम कृषि भूमि विवाद के कारण राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रहा था। आज उसी सिंगूर से विकास कार्यों की शुरुआत का संदेश देना, केंद्र सरकार की यह मंशा दर्शाता है कि अतीत के टकरावों को पीछे छोड़कर भविष्य की ओर बढ़ा जाए। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में पूर्वी भारत के विकास को 'विकसित भारत' के लक्ष्य से जोड़ते हुए कहा कि जब तक पूर्वी राज्यों की प्रगति तेज नहीं होगी, तब तक देश का समग्र विकास अधूरा रहेगा। बंगाल, झारखंड, ओडिशा और बिहार जैसे राज्यों को केंद्र में रखकर बनाई जा रही नीतियां इसी सोच का हिस्सा हैं।

बालागढ़ में एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम का शिलान्यास इस दिशा में एक ठोस कदम है। इस परियोजना में इनलैंड वॉटर ट्रांसपोर्ट टर्मिनल और ग्रेड ओवर ब्रिज जैसी सुविधाएं शामिल हैं, जो केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य की लॉजिस्टिक व्यवस्था को नई मजबूती देंगी। गंगा नदी पर विकसित जलमार्ग के साथ यह परियोजना मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगी। इससे कोलकाता जैसे महानगर पर ट्रैफिक और माल ढुलाई का दबाव कम होगा और उद्योगों को तेज, सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन विकल्प मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि बीते 11 वर्षों में श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट की क्षमता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़े पैमाने पर निवेश किया है। सागरमाला योजना के तहत सड़क और पोर्ट कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप कोलकाता पोर्ट ने हाल के वर्षों में कार्गो हैंडलिंग के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। यह केवल आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि इससे जुड़े रोजगार, व्यापार और उद्योग के अवसरों का विस्तार भी है, जो बंगाल की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देगा।

रेल कनेक्टिविटी के मोर्चे पर भी बंगाल के लिए यह समय ऐतिहासिक बताया जा रहा है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की शुरुआत, कई नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ और बंगाल को देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ने वाली नई रेल सेवाएं इस बात का संकेत हैं कि राज्य को राष्ट्रीय परिवहन मानचित्र पर और मजबूती से स्थापित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने इसे बीते 100 वर्षों में शायद पहली बार 24 घंटे के भीतर इतना बड़ा काम बताया। रेल परियोजनाओं का असर केवल यात्रियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी तेज होता है।

इन सभी विकास घोषणाओं के बीच राजनीतिक संदेश भी उतना ही स्पष्ट था। प्रधानमंत्री मोदी ने बिना किसी आक्रामक शब्दावली के यह संकेत दे दिया कि केंद्र सरकार बंगाल के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें राजनीति आड़े नहीं आने दी जाएगी। हालांकि, चुनावी दृष्टि से देखें तो इन कार्यक्रमों ने राज्य की सियासत में हलचल जरूर बढ़ा दी है। लंबे समय से सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के बीच चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच, विकास के मंच से दिया गया यह संदेश मतदाताओं को सीधे संबोधित करता है।

सिंगूर में विकास कार्यों की शुरुआत विशेष रूप से चुनावी नजरिए से महत्वपूर्ण है। कभी जिस क्षेत्र को औद्योगिक असफलता और राजनीतिक विवाद के प्रतीक के रूप में देखा जाता था, आज वहीं से विकास का नया अध्याय शुरू करने की कोशिश की जा रही है। यह संदेश किसानों, युवाओं और उद्योग जगत तीनों के लिए है। किसानों को यह भरोसा दिया जा रहा है कि विकास उनके हितों के खिलाफ नहीं, बल्कि उनके साथ मिलकर होगा। युवाओं के लिए यह रोजगार और अवसरों की बात है, जबकि उद्योगों के लिए यह स्थिर नीति और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर का संकेत है।

प्रधानमंत्री के दौरे ने यह भी दिखाया कि केंद्र सरकार जलमार्ग, रेल, सड़क और हरित मोबिलिटी को एक साथ जोड़कर समग्र विकास मॉडल पर काम कर रही है। मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी का यह दृष्टिकोण न केवल लागत कम करता है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को भी ध्यान में रखता है। ग्रीन मोबिलिटी और इनलैंड वॉटर ट्रांसपोर्ट जैसे विकल्प भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हैं, और बंगाल जैसे नदी-समृद्ध राज्य के लिए यह विशेष अवसर प्रदान करते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन परियोजनाओं और घोषणाओं का असर केवल सरकारी फाइलों तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले चुनावों में विकास बनाम शासन, केंद्र बनाम राज्य और भविष्य बनाम अतीत जैसे मुद्दे और अधिक मुखर होंगे। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा और सिंगूर से दिया गया विकास का संदेश भाजपा के लिए एक मजबूत चुनावी आधार तैयार करने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है। वहीं, राज्य सरकार के लिए यह चुनौती है कि वह इन घोषणाओं के बीच अपनी उपलब्धियों और नीतियों को कैसे सामने रखती है।

कुल मिलाकर, सिंगूर और बालागढ़ से उठी यह विकास की आवाज केवल ईंट-पत्थर की परियोजनाओं की कहानी नहीं है, बल्कि यह बंगाल की राजनीति, अर्थव्यवस्था और भविष्य की दिशा को प्रभावित करने वाला क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी ने विकास के शिलान्यास के साथ चुनावी शंखनाद भी कर दिया है। अब यह बंगाल की जनता पर निर्भर करेगा कि वह इस विकास के वादे को किस नजर से देखती है और आगामी चुनावों में किसे अपना समर्थन देती है। इतना तय है कि बंगाल की सियासी हवा बदल चुकी है और विकास का मुद्दा केंद्र में आ गया है।

कांतिलाल मांडोत

डिजिटल अरेस्ट... आसान है ठगों को आईना दिखाना

मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की... सरीखे अंदाज में डिजिटल अरेस्ट एक ऐसा अपराध बन गया है, जो तमाम सरकारी प्रयासों के बाद भी बढ़ता जा रहा है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल स्टेटस रिपोर्ट में जहां इस तेजी से पैर पसारते अपराध से निपटने के प्रयासों का जिक्र किया गया है, वहीं इस गंभीर अपराध पर रोक लगाने की योजना बनाने में समय लगने की बात भी कही है। डिजिटल अरेस्ट से बचाने की सरकारी योजनाओं, पुलिस और मीडिया के जागरुकता लाने के तमाम प्रयासों के बावजूद इस अपराध का बेकाबू होते जाना यूं ही नहीं है, कई तरह की मानवीय कमजोरियां, सामाजिक ताना-बाना और इंसानी स्वभावों की भिन्नता इस संगीन अपराध की जड़ों को मजबूत बना रही है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी से खुद को खुद ही बचाया जा सकता है, लेकिन यह इतनी सी बात भर नहीं है। इसे समझने के लिए खुद को समझना जरूरी है और उससे भी ज्यादा जरूरी है अपने ऊपर विश्वास करना। यकीन मानिये कि इस अपराध से बचने के लिए कुछ खास करने की आवश्यकता ही नहीं है, बस कुछ सामान्य सी बातों का ध्यान रखकर डिजिटल अरेस्ट का जाल फेंकने वालों को आईना दिखाया जा सकता है। डिजिटल अरेस्ट क्या होता है?

ये सवाल उतना ही पुराना है, जितना कि ये अपराध। ये अपराध शुरु होने से पहले लोग इस शब्द युगम को नहीं जानते थे। सच कहें, तो डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ होता ही नहीं, ये बस आभासी दुनिया से जुड़ा शब्दों का एक जोड़ा भर है, जिसका हकीकत से कोई वास्ता नहीं । कानून की किसी किताब में डिजिटल अरेस्ट करने का कोई प्रावधान नहीं है। जिस तरह की गिरफ्तारी का कोई प्रावधान नहीं है, उसके नाम पर लोगों को ठगा जा रहा है। रोजाना ऐसी वारदातें हो रही हैं। लोग अपनी खून पसीने की कमाई के लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक उस गिरफ्तारी के डर से गंवा रहे हैं, जो कि कहीं होती ही नहीं। ये हमारे देश का सच है कि कोई विभाग किसी की डिजिटल गिरफ्तारी नहीं कर सकता, लेकिन इसके बावजूद लोग डिजिटल अरेस्ट का झांसा देने वाले ठगों के जाल में क्यों फंस जाते हैं? इसे समझने के लिए इस अपराध के पीछे मनोवैज्ञानिक,सामाजिक और व्यक्तित्व/ स्वभाव से जुड़े कारणों को समझना जरुरी है। इस अपराध की बुनियाद आम तौर से एक फोन कॉल से पड़ती है। यह सामान्य मोबाइल कॉल, व्हाट्सएप कॉल या वीडियो कॉल हो सकती है। यह कॉल हमेशा किसी अंजान नंबर से आती है। कॉल से साथ फोटो या वीडियो भी हो सकता है, जो अक्सर किसी वर्दीधारी व्यक्ति का होता है। कॉल करने वाला खुद को पुलिस, किसी केंद्रीय एजेंसी या नियामक एजेंसी से जुड़ा बताकर ड्रग्स, रेप, देश विरोधी गतिविधियों में आपके आधार से जुड़े मोबाइल के उपयोग, बेटा या बेटी के किसी संगीन अपराध में पकड़े जाने जैसी प्रायः काफी लोगों के दिमाग को सुन्न कर देने वाली जानकारी देकर भय का जाल बिछाता है और अपने शब्दों से संभावित शिकार पर पड़ने वाले असर को बाखूबी जांचते परखते हुए जाल को टाईट करता चला जाता है। इस क्रम में कई फर्जी अधिकारियों से भी बात करायी जाती है और कभी कभी कोर्ट रूम या किसी थाने या पुलिस मुख्यालय जैसे सीन क्रिएट करके बैक ग्राउंड में दिखाये जाते हैं, ताकि शिकार बनने वाला व्यक्ति ठगों के शब्दों को सच मानने की गलती कर सके। यह सच है कि इस अपराध से जुड़ी ये सामान्य सी दिखने वाली जानकारियां डिजिटल अरेस्ट रूपी जाल से बचने की गारंटी बन सकती हैं। विपरीत परिस्थितियों में एकदम घबरा जाने वाले लोग इस तरह के ठगों के लिए बहुत मुफीद होते हैं।

किसी अपराध से जुड़े होने की बात सुनते ही अनिष्ट की आशंका उन्हें तर्क वितर्क से दूर कर देती है और घबराहट में जो व्यक्ति सामने दिखाई दे रहा है, उसे ही वे अपना हितैषी मानने की गलती कर देते हैं। ऐसे लोग अक्सर सामने वाले के नाटक को सच मान लेते हैं और सिर पर बड़ा खतरा मंडराने, जेल जाने या जमाने में बदनाम हो जाने के झूठे भय के जाल की रचना करने वाले को उसके आत्मविश्वास, धाराप्रभाव उस विषय पर बोलने, वर्दी आदि पहने होने और थोड़ी हमदर्दी दिखाने भर से सच्चा और अपना हितैषी मान लेने की प्रवृत्ति इस अपराध में आसानी से फंसा सकती है। ऐसी ठगों का फोन आते ही जिनके दिल और दिमाग पर भय इस कदर हावी हो जाता है कि वे सब कुछ भूल जाते हैं। यहां तक कि जिस देश में लाखों असली मुकदमें साल दर साल तारीखों में उलझे हों, वहां फोन या वीडियो कॉल पर तत्काल किसी मामले की सुनवाई और निस्तारण जैसा छल भी उन्हें वास्तविक लगने लगता है। इसका एक बड़ा कारण आसपास के माहौल से खुद को दूर रखना भी है। देश और समाज की घटनाओं से अंजान रहने वाले, किसी पर एकदम भरोसा कर लेने वाले और अपने सुख दुख दूसरों के साथ शेयर न करने वाले व्यक्ति इन ठगों का ज्यादा शिकार बनते हैं। रिटायर्ड होने के बाद देश दुनिया से मुंह मोड़ लेना जीने को कोई ऐसा तरीका नहीं है, जो जीवन को निरापद और सुकून वाला बना सकता हो। शतुरमुर्ग की तरह रेत में सिर छुपा लेना, अपनी सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य होता है। डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए जमाने के साथ कदमताल करना जरूरी है।

खुशहाल जिंदगी जीने का सामान्य सा तरीका है कि कोई भी नई समस्या सामने आने पर अपने परिजनों या दोस्तों के साथ उस पर चर्चा कर ली जाये। जिस तरह की समस्या पहले कभी सामने नहीं आई, उससे अपने बूते अकेले और तुरंत निपटने का आत्मविश्वास इस ठगी से बचा भी सकता है और सामने वाले को सही मान बैठें, तो यही आत्मविश्वास ठगी का कारण भी बन सकता है... फोन काट दिया, तो बच गये, सामने वाले पर भरोसा कर लिया तो लुट गये। इन ठगों से बचना है, तो खुद पर दृढ विश्वास रखना जरूरी है। आसपास की दुनिया से खबरदार रहना और किसी अंजान पर विश्वास करके एकदम कोई कदम उठाने के बजाय उस विषय पर अपने परिजनों, दोस्तों आदि किसी से भी चर्चा कर लेने में समझदारी है। अन्यथा बाद में नुकसान उठाने के साथ ही शर्मिंदगी का भी सामना करना पड़ सकता है। यकीन मानिये, ये ठग आपसे ज्यादा समझदार नहीं होते, बस आपकी कोमल भावनाओं का लाभ उठाने वाले ऐसे धूर्त होते हैं, जो सरलता, आसानी से विश्वास कर लेने और मीठा बोलने वालों को सच्चा मान लेने की मानव सुलभ प्रकृति को इस अपराध की बुनियाद बनाते हैं।

डॉ. सुभाष गुप्ता

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

खसरौल में करियर मेला 24 जनवरी को

भरावन। पीएम श्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज खसरौल भरावन हरदोई में 24 जनवरी को करियर मेला का आयोजन होगा, कॉलेज के प्रधानाचार्य रामसुजान मिश्रा ने बताया कि इसमें करियर से संबंधित विभिन्न विधाओं की विशेषज्ञों के द्वारा जानकारी दी जाएगी इससे विद्यालय के छात्र-छात्रों को करियर के चुनाव में सहूलियत होगी।

ई-रिक्शा पलटा, चालक गंभीर घायल

लालगंज (रायबरेली): कस्बे के गांधी चौराहा पर सोमवार को एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा चालक उसके नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल घायल को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ककराही गांव निवासी विकास कुमार ई-रिक्शा में दूध के कंटेनर लादकर कस्बे की ओर आ रहे थे। इसी दौरान सड़क पर बंदर और कुत्ते आपस में झगड़ते हुए अचानक ई-रिक्शा से टकरा गए, जिससे वाहन असंतुलित होकर पलट गया। हादसे के चलते ई-रिक्शा में लदा कई लीटर दूध सड़क पर फैल गया। घटना के बाद गांधी चौराहा पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

मनरेगा चौपाल में कांग्रेसियों ने ग्रामीणों को किया जागरूक

लालगंज (रायबरेली)। विकासखंड क्षेत्र के पूरेगुरु मजरे खजूरगांव और गेगासों में सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से मनरेगा चौपाल का आयोजन हुआ। चौपाल के जरिए ग्रामीणों को मनरेगा योजना के अधिकारों और लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत किया गया। चौपाल की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह और मंडल अध्यक्ष राज नारायण यादव ने की। वक्ताओं ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार का मजबूत सहारा है। कांग्रेसियों ने सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने का आरोप लगाया। कहा कि योजना को समाप्त करने का षड्यंत्र किया जा रहा है। जिला सचिव कामता प्रसाद गौड़ ने कहा कि मनरेगा से गांवों में रोजगार के साथ विकास कार्य भी हो रहे हैं। इसे बचाना सभी की जिम्मेदारी है। शिव प्रताप व सुशील अग्निहोत्री ने कहा कि ग्रामीणों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। कार्यक्रम में शिवकिशोर बाजपेई, राम प्रकाश निषाद, ब्रज किशोर सिंह धुन्नर, अब्दुल हकीम, शिवप्रसाद यादव बापू, डॉ. राकेश पटेल, शिवप्रकाश, सत्रोहन यादव, नीलू बाबादीन सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

खौफ के साए में रसूलपुर, बड़े पुलिस अफसर ने ग्राउंड जीरो पर डाला डेरा

बदमाशों की अब खैर नहीं, आईजी ने दिए जल्द खुलासे के सख्त निर्देश)

तालगांव सीतापुर जिले के तालगांव में हुई दुस्साहसिक डकैती के बाद अब पुलिस महकमा पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। सगे भाइयों को बंधक बनाकर लाखों की लूट करने वाले बेखौफ बदमाशों की शामत आने वाली है, क्योंकि खुद आईजी लखनऊ किरन एस जमीन पर उतरीं और सीधे घटनास्थल रसूलपुर पहुंचीं। वारदात के 24 घंटे बाद आईजी ने मौके पर पहुंचकर न केवल हालात का जायजा लिया, बल्कि पीड़ित परिवार के जख्मों पर मरहम लगाते हुए उन्हें इंसाफ का पुख्ता भरोसा भी दिलाया। आईजी किरन एस ने रसूलपुर पहुंचकर उस घर का चप्पा-चप्पा देखा, जहां बदमाशों ने तांडव मचाया था। उन्होंने पीड़ित भाइयों बंटी वर्मा और पुष्कर वर्मा से एकांत में लंबी बातचीत की और घटना के हर पहलू को बारीकी से समझा। डरे-सहमे परिजनों के बीच बैठकर आईजी ने उन्हें ढांढस बंधाया और आश्वस्त किया कि खाकी उनके साथ खड़ी है। आईजी ने स्पष्ट किया कि इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक चाक-चौबंद किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी हिमाकत कोई न कर सके। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और एसओजी टीम को आईजी ने कड़े तेवर दिखाते हुए दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने साफ कहा कि इस सनसनीखेज वारदात का अनावरण पुलिस की प्राथमिकता है और बहुत जल्द बदमाश सलाखों के पीछे होंगे। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल को तकनीक और मुखबिर तंत्र का आक्रामक इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं। आईजी के इस दौरे ने अपराधियों में खौफ और आम जनता में विश्वास पैदा करने का काम किया है।

आईजी किरण एस ने पीड़ित परिवार से की मुलाक़ात लूटकांड मामले में जानी हक़ीक़त, खुलासे में लगी टीमों से जानी प्रगति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के तालगांव थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में रिटायर्ड लेखपाल के घर हुई सनसनीखेज लूट की वारदात को लेकर पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। रिटायर्ड लेखपाल के दो बेटों और उनकी बहुओं को बंधक बनाकर असलहे के बल पर की गई लूट की घटना के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी रेंज लखनऊ किरण एस सोमवार को तालगांव पहुंचे। आईजी ने सबसे पहले पीड़ित परिवार से मुलाकात कर पूरी घटना की जानकारी ली और बदमाशों के हौसले, वारदात के तरीके व समय के बारे में विस्तार से पूछा। पीड़ितों ने बताया कि रविवार सुबह बदमाश घर में घुस आए और तमंचे के बल पर सभी को बंधक बनाकर नकदी व जेवरात लूट ले गए। बदमाशों ने वारदात को इत्मीनान से अंजाम दिया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी आईजी किरण एस ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों से घटना के खुलासे को लेकर की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि इस मामले के खुलासे के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं, जो अलग-अलग बिंदुओं पर जांच कर रही हैं इनमें सर्विलांस, स्थानीय मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है आईजी ने पुलिस अधीक्षक और घटना के खुलासे में लगी टीमों से अब तक की प्रगति रिपोर्ट भी तलब की। साथ ही निर्देश दिए कि किसी भी कीमत पर जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाए। उन्होंने क्षेत्र में ग्राम निगरानी समितियों को सक्रिय करने के निर्देश भी दिए, ताकि गांव स्तर पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

बोले- लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

आईजी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती हैं और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस को गश्त बढ़ाने और जनता से संवाद मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल पुलिस टीमें बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही हैं और जल्द ही मामले के खुलासे का दावा किया जा रहा है!!

मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

रायबरेली: जनपद के गुमदापुर मज़रे भीरा गोविंदपुर निवासी आदित्य कुमार पुत्र राजाराम ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर दबंगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित के अनुसार 16 जनवरी की रात लगभग 9 बजे, जब वह खाना खाकर घर पर सो रहे थे, तभी पड़ोस के प्रेम शंकर पुत्र हरिहर, आशीष कुमार, अभिषेक कुमार एवं कुछ अज्ञात साथियों ने उनके घर पर आकर गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि दबंगों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला करते हुए जान से मारने की नीयत से मारपीट की। पीड़ित ने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी, लेकिन इसके बावजूद आरोपी बेखौफ बने हुए हैं। पीड़ित का कहना है कि आरोपी आए दिन डराने-धमकाने का काम कर रहे हैं, जिससे पूरा परिवार डर और दहशत के माहौल में जीने को मजबूर है। आदित्य कुमार ने आशंका जताई है कि उनके परिवार के साथ किसी भी समय कोई बड़ी अनहोनी घटना घट सकती है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मलिहाबाद तेज रफ्तार पिकअप ने सवारी से भरे ई- रिक्शा में मारी टक्कर

● .....टक्कर इतनी तेज थी कि ई-रिक्शा के उड़े परखच्चे, महिलाओं सहित सात घायल।

.....पुलिस ने घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती, दो की हालत गंभीर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। मलिहाबाद क्षेत्र में उस समय अचानक हड़कंप मच गया जब तेज रफ्तार से आ रहे पिकअप चालक ने सवारी से भरे ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ई-रिक्शा में सवार यात्री छिटक कर दूर तलक जा गिरे। इस हादसे में महिलाओं, बच्चो सहित सात लोग से जख्मी हो गए।मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां दो लोगों की हालत नाजुक बनी है। पुलिस पिकअप और ई-रिक्शा को कब्जे में लेकर छानबीन कर रही है।

क्षेत्र में सोमवार करीब 11 बजे ई-रिक्शा यूपी 32 क्यू टी 1544 सवारी लादकर मलिहाबाद जा रहा था कि जैसे ही चालक ई-रिक्शा लेकर लक्की धर्म कांटे के पास पहुंचा कि तेज़ रफ़्तार पीछे से आ रहे प्लाईबोर्ड से लदा पिकअप डाला यूपी 30 बीटी 0474 टक्कर मारते हुए अनियंत्रित होकर पलट गया। तभी सवारी भरा ई-रिक्शा की टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही ई-रिक्शा में सवार मलिहाबाद निवासी शहाबुद्दीन,नई बस्ती धनेवा निवासी श्याम किशोर, कल्लू खेड़ा निवासी चालक अशर्फी लाल, नई बस्ती धनेवा निवासी बुजुर्ग दानिश अली, हसनगंज उन्नाव निवासी दो वर्षीय उमर, खुशबू व नूरजहां घायल है। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां खुशबू और चालक अशर्फ़ी लाल की हालत देखते हुए ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।मौके पर डाला चालक फरार हो गया है पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

सरकारी स्कूल परिसर में अन्नपूर्णा भवन निर्माण का विरोध, ग्रामीणों ने समाधान दिवस में की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। माल विकासखंड के बहिर ग्राम पंचायत के अंतर्गत छोटा बगवारा में सरकारी विद्यालय में बनाए जा रहे अन्नपूर्णा भवन का विरोध ग्रामीणों द्वारा किया गया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय परिसर के अंदर अन्नपूर्णा भवन बनाए जाने से छात्र-छात्राओं को पढ़ने में असुविधा होगी। ग्रामीणों ने सामूहिक तौर पर संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर मलिहाबाद तहसील में पहुंचकर इसकी शिकायत भी दर्ज कराई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान तथा पंचायत सहायक अपनी मनमानी कर रहे हैं।

मलिहाबाद तहसील अंतर्गत विकासखंड माल की ग्राम पंचायत बहिर के छोटा बगवारा गांव में बने पूर्व माध्यमिक विद्यालय में ग्राम प्रधान द्वारा अन्नपूर्णा भवन का परिसर के अंदर ही निर्माण कार्य शुरू कराया गया है जिसको लेकर ग्रामीण तथा विद्यालय के शिक्षकों व छात्र-छात्राओं में नाराजगी व्याप्त हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत में काफी सरकारी भूमि पड़ी हुई है जहां अन्नपूर्णा भवन बनाया जा सकता है लेकिन ग्राम प्रधान अपनी मनमानी करते हुए विद्यालय परिसर के अंदर ही अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कर रहे हैं जिससे छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पर काफी बुरा असर पड़ेगा।

ग्रामीणों ने सामूहिक तौर पर इसकी शिकायत मलिहाबाद तहसील समाधान दिवस में की है और इस निर्माण कार्य को रोक कर किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर अन्नपूर्णा भवन बनाए जाने की मांग की है। ग्रामीण जगदीश, उदयराज, सुरजीत कुमार, दीनदयाल, ओम प्रकाश, सलीम, विनोद ने कहा कि अगर सरकारी विद्यालय के अंदर अन्नपूर्णा भवन का कार्य पुनः कराया गया तो समस्त ग्रामीण विरोध प्रदर्शन करेंगे।

खाद्य सुरक्षा विभाग के तरफ से ठेला और छोटे दुकानों पर खाद्य सामग्री बेचने वाले व्यापारियों का पंजीकरण किया

जंगीगंज। डीघ ब्लॉक के महुआरी पंचायत भवन परिसर में सोमवार को खाद्य सुरक्षा विभाग के तरफ से ठेला और छोटे दुकानों पर खाद्य सामग्री बेचने वाले व्यापारियों का पंजीकरण किया गया। शिविर में व्यापारियों को मौके पर ही फूड लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन किया गया। शिविर में किराना, मिठाई, होटल, डेयरी, रेस्टोरेंट, हलवाई, केटरिंग, फास्ट फूड, चाट-पकौड़ी, फल-सब्जी, ठेला और स्टॉल संचालक शिविर में आवेदन कर मौके पर ही पंजीकरण करा कर प्रमाणपत्र भी प्राप्त किया। साथ ही व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 और नियम विनियम, 2011 की जानकारी भी दी गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओम प्रकाश ने बताया कि बिना लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन खाद्य सामग्री बेचने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पंजीकरण करा लेने पर व्यापारियों को कई लाभ भी मिलते है। शिविर में व्यापारियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया। इस मौके पर मनोज कुमार, रमेश चंद मिश्रा, संजय सिंह चौहान, पिंटू प्रधान, रजनीश जायसवाल और पवन मोदनवाल भारी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, राजाजीपुरम में परंपरा, परिवार और उत्साह का समागम

● .....मकर संक्रांति के पावन अवसर पर 'पतंग उत्सव 2026' का भव्य एवं सफल आयोजन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर रविवार को सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल, राजाजीपुरम कैंपस द्वारा पतंग उत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में पारंपरिक मूल्यों, पारिवारिक सहभागिता और विद्यार्थियों के उल्लास का एक सुंदर और प्रेरक समागम देखने को मिला। सुबह 9 बजे से प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में न केवल बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे, बल्कि उनके माता-पिता, दादा-दादी एवं नाना-नानी की सहभागिता ने इसे पीढ़ियों को जोड़ने वाला एक सशक्त और जीवंत मंच बना दिया।कार्यक्रम की शुरुआत आगंतुकों के स्वागत एवं सामान्य आगमन के साथ हुई। इसके पश्चात विशिष्ट अतिथियों के आगमन के उपरांत दीप प्रज्वलन द्वारा आयोजन का औपचारिक शुभारंभ किया गया, जिसने पूरे कार्यक्रम को सांस्कृतिक गरिमा और उत्सवी वातावरण प्रदान किया।कार्यक्रम का एक प्रमुख एवं भावनात्मक आकर्षण राजाजीपुरम क्षेत्र के 11 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान रहा।

विद्यालय द्वारा उन्हें सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित कर मंच पर सम्मानित किया गया। यह पहल विद्यार्थियों में संस्कार, सामाजिक मूल्यों तथा बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करने का एक सशक्त प्रयास रहा उनकी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की और विद्यार्थियों के लिए यह अनुभव अत्यंत प्रेरणादायी रहा। दीप प्रज्वलन के उपरांत अतिथि सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, श्री ईश्वर चंद्र जायसवाल,सरिता शाही, संगीता श्रीवास्तव एवं राकेश कुमार त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने विद्यालय द्वारा आयोजित सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंग-बिरंगी पतंगों, रचनात्मक रंगोलियों और बच्चों की कल्पनाशील प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया। पतंग उड़ान प्रतियोगिता में प्रथम जाफर एम. हुसैन कक्षा 5 ई,द्वितीय अरहम खान कक्षा 6 सी,तृतीय प्रखर राजपूत कक्षा 4 डी रहे।गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिता में प्रथम अधिराज दास कक्षा 5 ए,द्वितीय विवान कपूर कक्षा 2 बी, तृतीय आश्वी भारद्वाज कक्षा 3 सी रही।

पतंग निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम सिमरत कौर नर्सरी बी,द्वितीय बिलाल हुसैन यूकेजी बी,तृतीय फातिमा बिन जुबैर कक्षा 1 बी रही।जबकि रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पिता जैनेंद्र दीक्षित अदिति दीक्षित, कक्षा 6 ए,द्वितीय माता हिमांशी प्रभव कुमार रस्तोगी एलकेजी बी,तृतीय माता श्रद्धा जैन पवित्रा जैन कक्षा 4 बी

लाइव प्रस्तुतियाँ और पारिवारिक सहभागिता

कार्यक्रम के दौरान लाइव कम्पेयरिंग, संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियाँ रिदमिक एक्सप्रेशन,पॉटरी, स्टोरी कॉर्नर, आर्ट गैलरी तथा फन ज़ोन विशेष आकर्षण रहे। दादा-दादी और नाना-नानी को बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों में सहभागी होते देखना आयोजन की सबसे भावनात्मक और स्मरणीय झलक रहा।

प्रधानाचार्या के नेतृत्व में टीमवर्क की सराहनीय भूमिका

विद्यालय की प्रधानाचार्या कविता कामेश्वरी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में इस आयोजन को सफल बनाने में शिक्षकों तथा कार्यालय कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। आयोजन की योजना, समन्वय और क्रियान्वयन में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं कार्यालय स्टाफ ने पूर्ण निष्ठा, समर्पण और टीम भावना के साथ कार्य किया। विद्यालय प्रबंधन ने प्रधानाचार्या कविता कामेश्वरी सहित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों को इस भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं प्रशंसा प्रकट की।

एडीएम प्रशासन ने किया नगर पंचायत महराजगंज का सघन निरीक्षण परखी हकीकत

● अधिकारियों के दावों के बाद भी निगरानी के सख्त निर्देश, जनता ने ली राहत की सांस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। नगर पंचायत क्षेत्र में दूषित पेयजल की शिकायतों को लेकर बीते कई दिनों से नागरिकों में भारी आक्रोश और चिंता का माहौल बना हुआ था। घर-घर से आ रही शिकायतों और जनदबाव को गंभीरता से लेते हुए सोमवार को अपर जिलाधिकारी (एडीएम प्रशासन) सिद्धार्थ कुमार ने स्वयं नगर पंचायत क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। एडीएम के निरीक्षण को प्रशासन की बड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। निरीक्षण के दौरान एडीएम सिद्धार्थ कुमार ने नगर पंचायत की पूरी जल आपूर्ति व्यवस्था की बारीकी से जांच की। उन्होंने जल टंकियों, पाइपलाइन, पंपिंग स्टेशन और सप्लाई नेटवर्क का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। जल निगम की टीम द्वारा किए गए परीक्षण के आधार पर अधिकारियों ने बताया कि पेयजल की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाई गई है और फिलहाल किसी भी प्रकार की गड़बड़ी सामने नहीं आई है।

एडीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा मामला किसी भी हालत में लापरवाही का शिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भले ही अभी व्यवस्था सामान्य पाई गई हो, लेकिन भविष्य में किसी भी तरह की समस्या से निपटने के लिए विभागों को पूरी तरह सतर्क रहना होगा। जल की नियमित जांच, सप्लाई की सतत निगरानी और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान उप जिलाधिकारी गौतम सिंह, जल निगम की तकनीकी टीम और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद रही। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जल के नमूनों की समय-समय पर जांच की जा रही है और किसी भी संदिग्ध स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक सक्रियता पर संतोष जताया। नागरिकों का कहना है कि एडीएम द्वारा स्वयं मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करने से लोगों का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में नगर पंचायत क्षेत्र में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति लगातार बनी रहेगी। जनता से जुड़ी बुनियादी समस्याओं पर अब किसी भी प्रकार की अनदेखी नहीं की जाएगी वहीं मौजूद चेयरमैन प्रतिनिधि प्रभात साहू ने उपस्थित पत्रकारों को बताया कि लगातार टीम गठित कर पाइपलाइन की पाइपलाइन की जांच कराई जा रही है। पैगम्बर नगर में एक पाइपलाइन लीकेज पाई गई है

जिसको सही करवाया जा रहा है। जल्द ही साफ सुथरा पानी नगरवासियों को पीने को मिलेगा वहीं मौजूद अधिशासी अधिकारी राम आशीष वर्मा ने बताया कि पैगंबर नगर में पानी की समस्या को देखते हुए 03 टैंक टाइप स्टैंड पोस्ट

पेयजल लगवाकर वार्ड में पानी की समस्या को दूर किया जाएगा जब तक कई पानी टैंकरों को लगाकर

स्वच्छ पानी वार्डों में दिया जा रहा है तथा नगर पंचायत के कर्मचारी लगातार डोर टू डोर जाकर लीकेज की जांच कर रहे इस मौके पर उपजिलाधिकारी गौतम सिंह नायब तहसीलदार उमेश चंद्र त्रिपाठी अधिशासी अधिकारी राम आशीष वर्मा नगर पंचायत प्रतिनिधि प्रभात साहू सी एच सी अधीक्षक गणनायक पांडे , सभासद धर्मेन्द्र वर्मा ,नूरल हसन, विनीत वैश्य, सभासद प्रतिनिधि अलीम समाजसेवी शब्बीर, विजय धीमान पूर्व सभासद, आदि लोग मौजूद रहे।

टाउन हॉल की ज़मीन खाली करने का अंतिम अल्टीमेटम, सपा कार्यालय, भाजपा नेता सहित अन्य को 22 जनवरी तक खाली करने का निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में नजूल की जमीन पर बने सपा कार्यालय और भाजपा नेता सहित अन्य आवास को खाली कराने को लेकर प्रशासन की सख्ती लगातार जारी है। नोटिस जारी होने के बाद सोमवार को तीसरी बार फिर तहसीलदार अतुल सेन सिंह अपनी टीम के साथ सपा कार्यालय और टाउन हॉल पहुंचे। इस दौरान कब्जेदारों को अंतिम अल्टीमेटम देते हुए जमीन खाली करने के निर्देश दिए गए। तहसीलदार अतुल सेन सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नजूल की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कब्जेदारों को 22 जनवरी तक स्वयं जमीन खाली करने की समय-सीमा दी गई है। यह अंतिम सूचना है और इसके बाद प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई की जाएगी। समय पूरा होते ही प्रशासन खुद कब्जा हटवाएगा और संबंधित कब्जेदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। गौरतलब है कि 7 जनवरी को सबसे पहले टाउन हॉल को नजूल की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के बाद यह तीसरा मौका है जब तहसील प्रशासन मौके पर पहुंचा है। तहसीलदार ने बताया कि नोटिस जारी करते समय 15 दिन का समय दिया गया था और अब उसी की याद दिलाने के लिए वह मौके पर पहुंचे हैं। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई किसी दल विशेष या व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए की जा रही है। तहसीलदार ने यह भी कहा कि सभी कब्जेदारों को समान रूप से नियमों का पालन करना होगा। मौके पर प्रशासनिक टीम की मौजूदगी से क्षेत्र में हलचल बनी रही। वहीं सपा कार्यालय और टाउन हॉल से जुड़े लोगों में कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज रही। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि तय समय सीमा के बाद किसी भी तरह की मोहलत नहीं दी जाएगी। अब देखना होगा कि 22 जनवरी तक कब्जेदार स्वयं जमीन खाली करते हैं या फिर प्रशासन को बलपूर्वक कार्रवाई करनी पड़ती है!!

युवती ने खाया ज़हरीला पदार्थ हालत गंभीर, युवती को देखने पहुंचे अस्पताल में आरोपी प्रेमी की पिटाई, पुलिस ने लिया हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के खैराबाद थाना इलाके में प्रेम प्रसंग और ब्लैकमेलिंग से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। मछरेहटा क्षेत्र की रहने वाली एक युवती अपने ही प्रेमी की प्रताड़ना से इस कदर परेशान हो गई कि उसने ज़हरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार युवती का पवन पुत्र राजकुमार नामक युवक से प्रेम संबंध था। आरोप है कि बीते करीब दो महीनों से युवक युवती को लगातार परेशान कर रहा था। वह युवती की फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करता था और कई बार उसका यौन शोषण भी किया इसके साथ ही देर शाम आरोपी युवक युवती पर अपने साथ चलने का दबाव भी बना रहा था। बताया जा रहा है कि यह घटना खैराबाद थाना क्षेत्र के खैराबाद चुंगी के पास की है। यहां युवक ने युवती को सड़क पर रोक लिया और जबरन अपने साथ ले जाने का दबाव बनाने लगा। इसी दौरान दोनों के बीच तीखी कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद के बाद युवक युवती का मोबाइल फोन लेकर मौके से फरार हो गया इस घटना से युवती मानसिक रूप से टूट गई और आहत होकर उसने ज़हरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों को जब इसकी जानकारी हुई तो वे रात में ही तुरंत युवती को सीतापुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और डॉक्टरों की निगरानी में उपचार जारी है। उधर, युवती की हालत की जानकारी मिलने पर आरोपी युवक भी मुंह बांधकर जिला अस्पताल पहुंच गया। वहां मौजूद परिजनों और स्थानीय लोगों ने उसे पहचान लिया और पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह आरोपी को भीड़ से बचाकर हिरासत में ले लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। सीओ सिटी विनायक भोसले ने बताया कि युवक हिरासत में है परिजनों की तरफ से तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी!!

मेला हजरत गलजार शाह के अंतर्गत आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

बिसवां सीतापुर: मेला हजरत गुलजार शाह रह0 अलैह के अंतर्गत आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का शुभारम्भ कोतवाली बिसवां में तैनात उपनिरीक्षक मंजीत कुमार एवं सुधाकर सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथियों ने अखाड़े में उतरकर पहलवानों से हाथ मिलवाते हुए कुश्ती प्रतियोगिता की विधिवत शुरुआत कराई। इस अवसर पर मेला सदर मसर्रत अली, सेक्रेटरी सैय्यद हुसैन कादरी, कार्यवाहक अध्यक्ष महबूब अली अंसारी एवं दंगल आयोजक शौकत पहलवान ने मुख्य अतिथियों का पगड़ी बांधकर एवं बैज अलंकरण कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि कुश्ती दंगल भारत का प्राचीनतम एवं शुद्ध रूप से देशी खेल है, जो खेल भावना के साथ समाज में भाईचारे एवं सौहार्द को बढ़ावा देता है। दंगल की पहली कुश्ती सुल्तान वारसी पहलवान (देवा) एवं साका पहलवान (उत्तराखंड) के मध्य हुई, जिसमें सुल्तान वारसी ने विजय प्राप्त की। दूसरी कुश्ती बाबा बजरंगी पहलवान (अयोध्या) एवं रंजीत पहलवान (राजस्थान) के बीच हुई, जिसमें बाबा बजरंगी पहलवान ने शानदार दांव-पेंच का प्रदर्शन करते हुए सफलता अर्जित की। तीसरी कुश्ती राजा पहलवान (मुजफ्फरनगर) एवं गोलू पहलवान (लखनऊ) के बीच हुई, जिसमें राजा पहलवान विजयी रहे। इसके अतिरिक्त जियाउल पहलवान सांडा, इंद्रजीत पहलवान (गोंडा), मनोज पहलवान (हरियाणा), बब्लू पहलवान (बरेली) सहित

अन्य पहलवानों ने भी अपने उत्कृष्ट दांव-पेंच से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम के अंत में दंगल आयोजक शौकत पहलवान द्वारा विजेता पहलवानों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दंगल कन्वीनर रियाजुद्दीन उर्फ गुड्डू, नफीस अहमद, अनीस हसन आब्दी, बदर हयात खान, नुसरत अली, रेहान कादरी, राजकुमार रस्तोगी, आफताब आलम पप्पू, अन्नू सहित बड़ी संख्या में कुश्ती प्रेमी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

घर में घुसकर मारपीट का महिला ने लगाया आरोप, पुलिस ने की कार्यवाही

कोंच(जालौन): घर में घुसकर गाली गलौज और मारपीट कर बेटे सहित घायल कर देने का आरोप लगाते हुए महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। दूसरे पक्ष ने भी पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्ष की एक- एक महिला के विरुद्ध शांति भंग की कार्यवाही की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अंडा निवासी महिला सुजाता पत्नी सुभाषचंद्र ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि सोमवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे मुहल्ले का ही एक युवक उसके घर में घुस आया और घर के सामान में तोड़फोड़ करने लगा। बेटे अंशु ने जब विरोध किया तो उक्त युवक ने गाली गलौज करते हुए वहां रखे डंडे से हमला कर बेटे को घायल कर दिया और बेटे को बचाने पहुंची उसे भी युवक ने मारापीटा। इतना ही नहीं वह जो मंगलसूत्र पहने हुई थी, युवक उसे छीनकर जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गया।

ईओ ने पालिका ठेकेदारों और अवर अभियंताओं को दिए दिशा निर्देश

कोंच(जालौन): अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका मोनिका उमराव ने सोमवार को पालिका परिषद के सभाकक्ष में पालिका के ठेकेदारों और अवर अभियंताओं के साथ बैठक की और जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कड़े लहजे में कहा, नगर में हो रहे कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें, मानकों की अनदेखी भारी पड़ेगी। अवर अभियंता को कड़े शब्दों में हिदायत दी गई कि अपनी देखरेख और पर्यवेक्षण में सही काम कराएं, काम मानकों के अनुरूप नहीं होने पर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि नगरपालिका द्वारा कराए जा रहे निर्माण के लगभग सभी कार्यों में गुणवत्ता की पोलें लगातार खुल कर सामने आ रहीं हैं। निर्माण के दौरान ही धराशाई हो जा रहे लाखों की लागत के कामों में जिस तरह से मानकों की अनदेखी की जा रही है उससे न केवल पालिका की छवि दागदार हो रही है बल्कि सरकारी धन के भी बंदरबांट के आरोप लगातार लग रहे हैं। गांधीनगर में धनु तालाब के पास मरई माता से शनिदेव मंदिर तक का नाला हो या कांशीराम कॉलोनी के पास बनने वाले नाले की बात हो, निर्माण के दौरान ही इनके भरभरा कर गिरने की बातें मीडिया की सुर्खियां बटोरने में कामयाब रहीं। इससे पहले धनु तालाब पर करीब ढाई करोड़ की लागत से होने वाले सुंदरीकरण में पिलरों का गिरना भी एक काफी बड़ा मामला सुर्खियों में रहा है। लगातार अपनी किरकिरी होते देख आखिरकार पालिका प्रशासन चेता तो है और ठेकेदारों व जेई को फटकार भी लगी है, लेकिन देखने वाली बात यह होगी कि इस डांट-फटकार का कितना असर हो पाता है।

गणेश और दुर्गा की शोभा यात्रा निकाल की गई प्राणप्रतिष्ठा

हमीरपुरः- सुमेरपुर विकासखण्ड क्षेत्र के छानी बुजुर्ग गांव में सोमवार के दिन, बडी देवी मंदिर में चल रहे भागवत कथा कार्यक्रम के साथ-साथ मंदिर में भगवान गणेश और देवी मां की नवीन मूर्ति प्राणप्रतिष्ठा के लिए शोभायात्रा निकाली गई। सर्वप्रथम पूजन-अर्चन के बाद बड़ी देवी मंदिर से शोभा यात्रा निकली और गांव के, नीलकंठेश्वर मंदिर, श्री कृष्ण मंदिर, हनुमान जी मंदिर, मइकासुर बाबा, पातालेश्वर मंदिर और संकटमोचन धाम मंदिर होते हुए गांव के सभी प्रतिष्ठानों से होते हुए पुनः बड़ी देवी मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में शुभ- लाभ, रिद्धी-सिद्धी एवं अन्य सभी देवी देवताओं की झांकिया सजाई गई थीं, और शोभा यात्रा में बैंड बाजों और डीजे की धुन में महिलाओं और कन्याओं के साथ युवाओं ने थिरकते हुए पूरे गांव का भ्रमण किया।शोभायात्रा बड़ी देवी मंदिर पहुंचने पर भागवताचार्य योगेश महाराज , यज्ञाचार्य रोहित तिवारी, प्रदीप अवस्थी ने मूर्तियों की प्राणप्रतिष्ठा कराई। इसके बाद चौथे दिन की भागवत कथा का आरंभ हुआ जिसमें महाराज मनु की कथा और कृष्ण जन्म की कथा हुई।कथा व्यास द्वारा भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन सुन सभी श्रोता आनन्द में झूमने लगे। वहीं आर्गन वादक मिथलेश की वादिकी को भी लोगों ने खूब सराहा।भागवत कथा के परीक्षत् आशुतोष व्यास और रिया व्यास, व्यवस्थाप प्रेम व्यास, सुनील व्यास, अजयवीर सिंह, सुखवीर सिंह, वीरपाल सिंह मोनू व्यास कार्यकर्ताओं समेत सैकड़ों लोगों ने कथा का आनन्द उठाया।

इंजीनियर युवराज मौत मामलाः योगी सरकार के दो बड़े एक्शन, नोएडा CEO हटाए गए, जांच के लिए SIT भी गठित

नोएडा में मॉल के बेसमेंट में कार सहित गिरने से इंजीनियर युवराज की हुई मौत मामले में यूपी सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है. सीएम के निर्देश पर मामले की जांच के लिए एसआईटी गठन किया गया है. साथ ही अब नोएडा CEO और मेट्रो कॉरपोरेशन MD एम लोकेश को भी हटा दिया गया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नोएडा में इंजीनियर युवराज की मौत मामलेः नोएडा में इंजीनियर युवराज की मौत मामले में योगी सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है. योगी सरकार ने नोएडा के CEO डॉ लोकेश एम को वेटिंग लिस्ट में डाल दिया है. साथ ही योगी सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एक SIT का गठन किया है. सीएम के निर्देश पर घटना की जांच के लिए 3 सदस्यीय SIT गठित हुई. मंडलायुक्त मेरठ के नेतृत्व में गठित हुई SIT में एडीजी जोन मेरठ व चीफ इंजीनियर PWD भी शामिल है. एसआईटी 5 दिनों में जांच कर रिपोर्ट सीएम को सौंपेगी।

नोएडा सेक्टर 150 में हुआ था दर्दनाक हादसा

मालूम हो कि 16 जनवरी को गुरुग्राम स्थित ऑफिस से अपने घर नोएडा सेक्टर 150 जा रहे इंजीनियर युवराज मेहता की कार पानी से भरे बेसमेंट में गिर गया था. उस रात घना कोहरा था. उन्हें कोहरे के कारण कुछ दिखा नहीं और कोई वजह थी लेकिन उनका संतुलन बिगड़ा. कार सड़क किनारे बनी दीवार को तोड़कर एक मॉल के निर्माणाधीन बेसमेंट में जा घुसी. बेसमेंट में पानी भरा हुआ था लिहाजा कार डूब गई.

नोएडा सीईओ ने लिया था ये एक्शन

इस हादसे को लेकर कई तरह से सवाल उठ रहे हैं. स्थानीय लोगों ने विरोध-प्रदर्शन भी किया. जिसके बाद नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम ने रविवार को इस घटना पर संज्ञान लेते हुए सड़क पर ब्लिंकर और संकेतक नहीं लगे होने की शिकायत पर यातायात प्रकोष्ठ के वरिष्ठ प्रबंधक और प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किया. इसके अलावा क्षेत्र के कनिष्ठ अभियंता नवीन कुमार की सेवाएं तत्काल समाप्त करने के आदेश जारी किए गये हैं।

एनडीआरएफ ने सुबह बरामद किया था इंजीनियर का शव

इस हादसे के बारे में नॉलेज पार्क थाने के अनुसार, सेक्टर 150 के पास निर्माणाधीन इमारत के बेसमेंट के लिए खोदे गए गड्ढे में कार गिरने की सूचना देर रात करीब सवा 12 बजे मिली. उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान शुरू किया गया और दमकल विभाग, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और स्थानीय पुलिस की टीमों की मदद से शनिवार सुबह शव बरामद किया गया।

रामकलेवा में राम- सीता विवाह का धार्मिक अनुष्ठान संपन्न

कोंच(जालौन): पंचमुखी हनुमान मंदिर में सोमवार को रामकलेवा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण एवं पूजा- अर्चना के साथ हुई, जिसमें महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से भगवान राम व माता सीता के विवाह का धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। रामकलेवा के अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। भजन-कीर्तन और धार्मिक गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। महिलाओं ने पारंपरिक परिधान पहनकर धार्मिक रस्मों में सहभागिता की और भगवान राम से परिवार की सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण की कामना की। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से सामाजिक समरसता के साथ-साथ सनातन परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में सहयोग मिलता है। इस अवसर पर गीता बसेड़िया, शांति गुप्ता, मीरा चंदेरिया, सुनीता देवी, रानी, रेखा सोनी, सीमा, अंकिता, अलका, शिल्पी, अर्चना, शशि अग्रवाल, शकुंतला, रामकुमारी, सुधा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं उपस्थित रहीं।

धेमाजी जिला छात्रा संघ ने असम स्तर के नाटक प्रतियोगिता का आयोजन, सिलापथार में प्रेस वार्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। अखिल असम छात्रा संघ के धेमाजी जिला समिति के पहल में असम नाट्य सम्मेलन, धेमाजी जिला इजाबेला नाट्यसमूह, ओर सिमेन छापरी आंचलिक समिति, सिमेन छापरी बासीलोगों के सहयोग में सिमेन छापरी के शिल्पी संघ के आंगन में अगले 21,22 ओर 23 जनवरी को समग्र असम स्तर के एक नाटक प्रतियोगिता का आयोजन करने का सिद्धांत लिया है। आज सिलापथार शहीद भवन में धेमाजी जिला आसू के अध्यक्ष संजीव दास, सचिव जयंत बरगोहेन, जिला समिति के सलाहकार रबी कचारी सहित पदाधिकारियों ने एक प्रेसवार्ता का आयोजन कर तीन दिनों की कार्यसूची के बारे में अवगत कराया। असम हर जिले से नाट्य दल भाग लेने वाले इस प्रतियोगिता के पहला दिन से अन्य जिले की नाट्य दल के नाटक प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में असम के जानेमाने कलाकार जो कि प्रतियोगिता विचारक रहेंगे। अंतिम दिन यानी 23 जनवरी को प्रतियोगिता का फलाफल घोषणा करने की साथ पुरस्का वितरण किया जाएगा। इस बार आसू की तरफ से जिले की दो नाट्य कर्मी को सम्मानित करने का फैसला लेने के साथ अनुष्ठान में एक ग्रंथ का विमोचन करने की बात

प्रेस वार्ता में उल्लेख किया।

प्रथम श्रेष्ठ नाट्य दल को पुरस्कार के तौर पर नगद 50 हज़ार, द्वितीय श्रेष्ठ नाट्य दल को 30 हज़ार, तृतीय श्रेष्ठ नाट्य दल को 15 हज़ार। श्रेष्ठ अभिनेता को 3 हज़ार , श्रेष्ठ अभिनेत्री को 3 हज़ार , श्रेष्ठ शिशु अभिनेता को 3 हज़ार, श्रेष्ठ कॉमेडी अभिनेता को 3 हज़ार, श्रेष्ठ परिचालक को 3 हज़ार रुपए के साथ मानपत्र से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रेस वार्ता के जरिए आसू के कार्यकर्ताओं ने अनुष्ठान को सफ़ल बनाने के लिए हर वर्ग के लोगों से सहयोग कामना की।

पट्टाधारकों की कब्जा दिलाने की मांग, एडीएम को सौंपा प्रार्थना पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

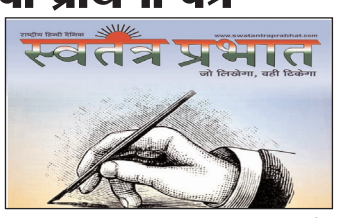

हमीरपुरः- सुमेरपुर विकासखण्ड के बण्डा गांव की चकबंदी दौरान निकाली गई अतिरिक्त घोषित सीलिंग भूमि के पट्टाधारकों ने आवंटित भूमि पर कब्जा-दखल दिलाए जाने की मांग को लेकर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) एवं नियत प्राधिकारी सीलिंग को प्रार्थना पत्र सौंपा है। प्रार्थीगणों ने बताया कि गाटा संख्या-70 मि0, मौजा बण्डा की सीलिंग भूमि का पट्टा उन्हें वर्ष 1977 में विधिवत रूप से आवंटित किया गया था तथा वर्ष 1980 में सक्षम अधिकारियों द्वारा कब्जा-दखल भी प्रदान कर दिया गया था। इसके बावजूद तत्कालीन खातेदार स्वर्गीय रघुराज सिंह एवं उनके निधन के बाद उनके पुत्र स्वर्गीय शिवशंकर सिंह तथा वर्तमान में उनके पुत्र संजय सिंह द्वारा पट्टाधारकों को लगातार परेशान किया जा रहा है और खेती करने में अवरोध उत्पन्न किया जा रहा है।

पीड़ितों ने बताया स्वर्गीय शिवशंकर सिंह द्वारा इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय में रिट याचिका संख्या 8249/1998 दाखिल की गई थी, जिसे माननीय उच्च न्यायालय ने 30 अक्टूबर 2025 को निरस्त कर दिया है। न्यायालय द्वारा सीलिंग अधिनियम के अंतर्गत नियत प्राधिकारी सीलिंग एवं अपीलीय अधिकारी के आदेशों को अंतिम माना गया है। वर्तमान में खातेदार अथवा उनके वारिसों की कोई भी याचिका किसी न्यायालय में लंबित नहीं है।

पट्टाधारकों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित सीलिंग पत्रावली तलब कर मौके पर उन्हें पुनः विधिवत कब्जा-दखल दिलाया जाए तथा अवैध हस्तक्षेप पर रोक लगाई जाए। इस संबंध में उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार हमीरपुर को आवश्यक निर्देश दिए जाने की भी मांग की गई है। प्रार्थना पत्र देने वालों में मूलचन्द, विजयपाल, नन्दू पुत्र घसीटा, मूलचन्द पुत्र रघुनाथ एवं विजयपाल पुत्र भूरा निवासी ग्राम बण्डा, तहसील व जिला हमीरपुर शामिल हैं।

पाँच पर की जिलाबदर की कार्यवाही

हमीरपुरः- न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जनपद के थाना राठ, थाना मझगवां, थाना जरिया, थाना कुरारा, थाना कोतवाली नगर से सम्बन्धित गुण्डा अपराधी को जनपद हमीरपुर की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित/जिलाबदर किया गया है।आरोपी अभिषेक कुमार सोनी उर्फ अतुल पुत्र प्रेमचन्द्र सोनी उर्फ कल्लू निवासी मु0 बुधौलियाना, कस्बा व थाना राठ,सन्तू उर्फ सन्तराम लोधी पुत्र उदयभान, निवासी ग्राम टोलारावत थाना मझगवां, अभिषेक पुत्र अमोला उर्फ भागीरथी, निवासी ग्राम छिबौली थाना जरिया , सजन निषाद उर्फ हिमान्शू पुत्र श्री रामू उर्फ रामचन्द्र निषाद, निवासी ग्राम कीरतपुर,थाना कोतवाली नगर,जनपद हमीरपुर और जीतू उर्फ जितेन्द्र पुत्र वीरेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम कुतुबपुर, थाना कुरारा को पारित आदेश में आदेशित किया गया है कि जिलाबदर की अवधि में निष्कासित/जिलाबदर अपराधीगण अपने साथ किसी प्रकार का शस्त्र व अग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेंगे एवं 06 माह की अवधि तक जनपद हमीरपुर की सीमा में प्रवेश नहीं करेंगे तथा बाह्य जनपद में जिस स्थान पर निवास करेंगे उसकी सूचना सम्बन्धित न्यायालय एवं स्थानीय पुलिस को भी देंगे।

शानदार बल्लेबाजी के दम पर रेलवे बिलासपुर पहुंची सेमीफाइनल में, झांसी को दी सात विकटों से मात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल बुढार। नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का चौथा क्वार्टर फाइनल रेलवे बिलासपुर और एनसीआर झांसी के बीच खेला गया, मैच में रेलवे बिलासपुर की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए एनसीआर झांसी पर 7 विकटों से जीत दर्ज।

टॉस के दौरान ये रहे उपस्थित

आज के मैच में टॉस के दौरान अतिथियों के तौर पर बुढार के युवा सीए मोहित विशनानी एवं अभयराज सिंह रहे जिन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं टॉस की औपचारिकताएं पूरी की।

टॉस जीतकर झांसी ने चुनी बल्लेबाजी, खड़ा किया चुनौतीपूर्ण स्कोर मैच का टॉस एनसीआर झांसी ने जीता और कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, हालांकि झांसी की शुरुआत बहुत बेहतर नहीं रही लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत झांसी की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर 185 रनों का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया , झांसी की ओर से शानदार बल्लेबाजी हुए मयंक तिवारी ने 69 और अर्पित ने 30 रन बनाए , बिलासपुर की ओर से गेंदबाज विक्रांत ने 3 विकेट और प्रवीण ने 2 विकेट लिए।

185 रनों के स्कोर को बौना साबित किया बिलासपुर ने

186 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर की टीम ने ताबड़तोड़ तरीके से अपनी बल्लेबाजी की शुरुआत की , पावर प्ले का फायदा उठाते हुए बिलासपुर की टीम ने शुरुआती 6 ओवरों में ही 75 रन बना कर झांसी के गेंदबाजों के हौंसले पस्त कर दिए ,बिलासपुर की टीम ने अपनी पूरी पारी के दौरान झांसी के गेंदबाजों की जमकर खबर ली और यह मैच महज 13.3 ओवरों में अपने नाम कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, बिलासपुर के कप्तान मोहित राउत ने आतिशी पारी खेलते हुए 36 गेंदों पर 92 एवं पवन ने 28 गेंदों पर 58 रन बनाए , बिलासपुर की टीम ने यह मैच 7 विकटों से जीत लिया। बिलासपुर टीम की ओर से शानदार आलराउंड प्रदर्शन करने वाले कप्तान मोहित राउत को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया , जिन्हें राकेश मिश्र एवं जुगुल मिश्रा ने पुरस्कृत किया।

ये रहे टीमों के प्रायोजक

टूर्नामेंट में आज बिलासपुर टीम के प्रायोजक अनिल अग्रवाल, भारत कचेर, जय कुमार जालूजा एवं रवि द्विवेदी रहे जबकि झांसी टीम के प्रायोजक बद्री पांडे, विजय यादव, सुजीत चतुर्वेदी एवं संजय गौतम रहे।

मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और नृपेंद्र सिंह ने की, जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद, अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया। मैच के स्कोरिंग का दायित्व मो. याहया एवं राहुल दुबे ने संभाला। पिच क्यूरेटिंग का जिम्मा अमृतांशु मिश्रा और साहिल ताम्रकार ने संभाला। मैच की समाप्ति के दौरान पुरस्कार समारोह में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छाबड़ा, राकेश पांडे, संजय पांडे, पुष्पेंद्र ताम्रकार इत्यादि उपस्थित रहे।

ये हैं आयोजन समिति के सदस्य

इस पूरे आयोजन समिति के प्रमुख बुढार के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विशनानी तथा सदस्यों के रूप में अनिल सोनी, श्रीनिवास द्विवेदी, पवन नियर्सेस, अवधेश पांडे (पिंटू), राजीव त्रिपाठी, राकेश त्रिपाठी, महेंद्र त्रिपाठी, योगेंद्र सिंह, पुष्पराज सिंह जुगुल किशोर मिश्रा इत्यादि प्रमुख हैं।

मुख्य विकास अधिकारी के आदेश पर शिफ्ट हुआ विद्यालय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- अभिभावकों और समाजसेवियों द्वारा लगातार समाधान दिवस और मानवाधिकार आयोग में जर्रूर भवन में बच्चों को पढाने और भविष्य के सम्भावित हादसे को लेकर किए गए पत्र व्यवहार के बाद मुख्य विकास अधिकारी के आदेश पर विद्यालय को नवीन भवन में शिफ्ट कर दिया गया जिसमे सोमवार को आधा सैकडा से अधिक बच्चे मौजूद रहे।

कस्बे में कांशीराम कालोनी छिमौली रोड में नया बहुमंजिला स्कूल भवन काफी पहले बनकर तैयार हो गया था लेकिन कम्पोजिट विद्यालय को पुराने और जर्जर भवन में चलाया जा रहा था जिसको लेकर समाजसेवियों और अभिभावकों ने भविष्य में होने वाले सम्भावित हादसे के प्रति चिंता जताते हुए मानवाधिकार आयोग के साथ उच्चाधिकारियों को बार बार पत्राचार किया जिसके बाद मुख्य विकास अधिकारी ने खण्ड शिक्षा अधिकारी को नये भवन में स्कूल शिफ्ट करने का आदेश दिया उसके बाद खण्ड शिक्षा अधिकारी ने स्कूल को नये भवन में शिफ्ट करा दिया जिसका प्रभार शंकुल शिक्षक मोहम्मद सईद सिददीकी को सौंपा गया है आज पहले दिन कम्पोजिट विद्यालय में आधा सैकडा से अधिक बच्चे उपस्थित रहे। इस सम्बन्ध में खण्ड

शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार कमल ने बताया कि सारी व्यवस्था पहले पूरी कराई जा चुकी हैं सिर्फ बाउण्ड्रीवाल बाकि है तो अभी तारबाडी करा रहे हैं जैसे बजट आएगा तो बाउण्ड्री वाल बनवाई जाएगी।

पुण्यतिथि पर याद किये गए महाराणा प्रताप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- सुमेरपुर कस्बा में महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर वर्णिता संस्था के तत्वावधान में विमर्श विविधा कार्यक्रम आयोजित किया गया ,जिसमें महाराणा प्रताप के जीवन संघर्ष के बारे में चर्चा की गई।महाराणा प्रताप के शौर्य और सावभिमान पर व्याख्यान प्रस्तुत किये गए।संस्था अध्यक्ष डॉ भवानीदीन ने शौर्य और साहस के साक्षी महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि 19 जनवरी पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप सच्चे अर्थों में मां भारती के एक बेजोड़ सूरमा थे, मुगलकाल में देश के प्रति इनके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता है, इनका 09 भी 1540 को उदयसिह और जयवन्ताबाई के घर जन्म हुआ था, इन्होंने जीवनान्त मुगलों से लोहा लिया, महाराणा प्रताप ने जीवन भर मुगल शासक अकबर से जंग लड़ी, कभी हार स्वीकार नहीं की, और न अकबर से पराजित हुए, राजस्थान में ही एक युद्ध में घायल हो गये थे, कालांतर में इनका 19 जनवरी 1597 को इनका निधन हो गया था, इनके महत्व को नकारा नहीं जा स उम्रकता है। कार्यक्रम में अशोक अवस्थी, सिद्धा, प्रेम, सागर, प्रिन्स, रिचा, महावीर प्रजापति इलेक्ट्रीशियन, रामनारायन सोनकर, विकास, भोलू सिंह, रामबाबू, सतेन्द्र और राहुल प्रजापति आदि शामिल रहे।

रोजगार सेवकों ने बीडीओ पर लगाया मानदेय रोकने का आरोप

सिद्धार्थनगर। जिले के विकास खंड नौगढ़ में सोमवार को ग्राम रोजगार सेवकों ने खण्ड विकास अधिकारी को पत्र दिया है जिसमें कहा है कि शासन से प्राप्त धनराशि का मनमानी तरीके से खर्च करने और उनके जायज मानदेय को रोकने का आरोप लगाया है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि शासन द्वारा प्रशासनिक मद में धन भेजी जा चुकी है। इसमें रोजगार सेवकों का मानदेय भी शामिल है। आरोप है कि रोजगार सेवकों के हक का पैसा मनमानी तरीके से खर्चा किया जा रहा है। रोजगार सेवक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष जयकिशन श्रीवास्तव का कहना है कि इस संबंध में शिकायती पत्र देने पर बीडीओ द्वारा उत्पीड़न करने की बात कहीं जा रही है। मानदेय का भुगतान न किए जाने से सभी रोजगार सेवक भारी आर्थिक और मानसिक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनके परिवार के साथ कोई अनहोनी होती है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी खंड विकास अधिकारी की होगी। इस संबंध में खण्ड विकास अधिकारी सर्वेश मोहन का कहना कि जिन रोजगार सेवकों का कार्य अच्छा है, उन सभी के मानदेय का भुगतान किया जाएगा।

पेट्रोल पंप के नोजल पाइप को कुल्हाड़ी से काटा, रिपोर्ट दर्ज

कोंच(जालौन): कैलिया बाईपास पर स्थित एक पेट्रोल पंप की फ्यूल सप्लाई करने वाली नोजल के पाइप को कुल्हाड़ी से काट देने की घटना सामने आयी है। घटना पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पंप मालिक की तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। नगर के कैलिया बाईपास पर आराजीलेन में ओम साई राम नाम से पेट्रोल पंप है। पंप के मालिक नरेंद्र कुमार अग्रवाल गुल्लू ने सीओ को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह दिव्यांग व्यक्ति है एवं ओम साई राम सेल्स, इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप जो 103/4 आराजी लेन कोंच में स्थित है, का मालिक है। पेट्रोल पंप परिसर के भूखंड में बाउंड्रीबाल की ऊंचाई और कैनोपी फाउंडेशन निर्माण के कार्य में आराजीलेन के रहने वाले एक व्यक्ति एवं उसके कुछ साथी रुकावट उत्पन्न कर रहे हैं। सोमवार तड़के करीब तीन बजे उक्त व्यक्ति का दामाद उसके पेट्रोल पंप पर आया और आगजनी की मंशा से मशीन की नोजल की पाइपलाइन को कुल्हाड़ी से क्षतिग्रस्त कर दिया है। जिस वजह से काफी मात्रा में पेट्रोल बह गया है। पेट्रोलियम पदार्थ होने के नाते कोई बड़ा हादसा हो सकता था। नरेंद्र ने आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों में पेट्रोल पंप से जुड़ा पुराना विवाद चल रहा है।

डंपर खराब होने से लगा पांच किलोमीटर लंबा जाम

● घंटों फसें रहें यात्री और स्कूली बच्चे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- सोमवार की सुबह हमीरपुर के बेतवा पुल पर खाली डंपर खराब होने से नेशनल हाइवे 34 में करीब पांच किमी लंबा जाम लग गया, स्कूली बच्चे और यात्रियों को भी जाम का सामना करना पड़ा।सुबह लगभग नौ बजे कानपुर हमीरपुर सागर हाईवे स्थित बेतवा पुल पर सुमेरपुर की ओर जा रहा खाली डंपर खराब हो गया। डंपर के स्टार्ट न होने से कुछ ही देर में हाईवे पर वाहनों की कतारें लगना शुरू हो गई और देखते ही देखते सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए। धीरे-धीरे जाम बेतवा पुल से यमुना पुल और दुर्गा मोड़ तक पहुंच गया। वहीं सुमेरपुर की ओर यह जाम कुछेछा तक पहुंच गया।सुबह के समय जाम लगने के कारण कई स्कूली बसों में सवार छात्र छात्राएं भी जाम में फसें होने के कारण उन्हें स्कूल जाने में देर हुई। इतना ही नहीं रोडवेज बसें, कार सवार और बाइक सवार भी जाम से निकल नहीं पाए। जाम में फंसे लोगों ने बताया कि हाईवे पर लगने वाले जाम के कारण कई बार गर्भवती महिलाएं, सीरियस मरीज लिए एम्बुलेंस भी जाम में फस जाती है और मरीज दम तोड़ देते है,लेकिन शासन प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।वहीं लोगों का कहना है की सारे परेशानियों की जड़ रोड़ का सिंगल होना है अगर रोड़ का चौड़ीकरण हों जाये तो आये दिन होने वाली परेशानी से निजात पाया जा सकता है।

जाम की सूचना पर पहुंचे यातायात प्रभारी हरवेंद्र सिंह और सदर कोतवाल पवन पटेल पुलिस टीम के साथ जाम खुलवाते नजर आए। यातायात प्रभारी हरवेंद्र सिंह ने बताया कि बेतवा पुल पर खाली डंपर खराब होने से जाम लगा था। क्रेन से डंपर को हटवा दिया गया है और अब वाहनों का आवागमन सुचारु रूप से हो रहा है।